

**Test Date :** 23 Feb 2023

**Test Slot :** Slot 1

**Subject :** 36-Assamese

**Sl. No.1**

**QBID:**136001

পদ্মনাথ গোহাপ্রিবৰুৱাই 'শ্রীকৃষ্ণ' গ্রন্থখনি প্রণয়ন কৰোঁতে আদৰ্শ হিচাপে কি গন্তব্য গ্ৰহণ কৰিছিল?

1. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ 'তত্ত্বকথা'
2. শ্রীমত্তাগৱতপুৰাণ
3. গীতা
4. বংকিমচন্দ্ৰ 'কৃষ্ণচৰিত্র'

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17901]

2[Option ID=17902]

3[Option ID=17903]

4[Option ID=17904]

**Sl. No.2**

**QBID:**136002

তলৰ কোনগৰাকী মিছনেৰী 'অৰুনোদই'ৰ সম্পাদক নাহিল?

1. এ. এইচ. ডেনফোর্থ
2. এচ. এম. হুইটিং
3. বিলিয়াম কেবি
4. নাথান ব্রাউন

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17905]

2[Option ID=17906]

3[Option ID=17907]

4[Option ID=17908]

**Sl. No.3**

**QBID:**136003

তলৰ কোনখন গল্প সংকলন বিবিধি কুমাৰ বৰুৱাৰ দ্বাৰা বৰ্চিত?

1. জীৱন বাটত
2. পট পৰিৱৰ্তন
3. আজিৰ মানুহ
4. বালিচন্দা

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17909]

2[Option ID=17910]

3[Option ID=17911]

4[Option ID=17912]

**Sl. No.4**

**QBID:**136004

তলৰ কোনখন কাব্যগন্তু সমীৰ তাঁতীৰ বচনা নহয়?

1. ঘুঢ়ভূমিৰ কবিতা
2. শোকাকুল উপত্যকা
3. সেউজীয়া উপত্যকা
4. শৰবিদ্বা আকাশ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17913]  
2[Option ID=17914]  
3[Option ID=17915]  
4[Option ID=17916]

Sl. No.5  
QBID:136005

তলৰ কোনটোক নাটকৰ প্রাণবন্ত বুলি অভিহিত কৰিব পাৰি?

1. অবিচ্ছিন্ন ক্ৰিয়াশীলতা
2. সংলাপ
3. নাট্যশ্লেষ
4. উৎকর্ষ আৰু বিশ্ময়

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17917]  
2[Option ID=17918]  
3[Option ID=17919]  
4[Option ID=17920]

Sl. No.6  
QBID:136006

“একেটা বৈঠকতে পড়ি শেষ কৰিব পৰা গল্পই চুটিগল্প”- কথাষাৰ কোনে কৈছিল?

1. এডগাৰ এলেন পো
2. চমাৰচেট মম
3. ব্ৰাগেৰ মেথ্যুজ
4. জনচন

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17921]  
2[Option ID=17922]  
3[Option ID=17923]  
4[Option ID=17924]

Sl. No.7  
QBID:136007

‘আৰ্চ পয়েটিকা’ৰ ৰচক-

1. এৰিষ্ট টল
2. হোৰেছ
3. লনজাইনাছ
4. প্লেটো

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17925]  
2[Option ID=17926]  
3[Option ID=17927]  
4[Option ID=17928]

Sl. No.8  
QBID:136008

“পাতুৱৈৰ জন্ম গ্ৰন্থকাৰৰ মৃত্যুৰ বিনিময়তহে হ'ব।” - কথাষাৰ কোনে কৈছিল?

1. ব্লাডিমিৰ প্ৰপ
2. মিশেল ফুকো
3. জাক ডেৰিডা
4. ৰিলা বাৰ্থ

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17929]  
2[Option ID=17930]

3[Option ID=17931]  
4[Option ID=17932]

Sl. No.9  
QBID:136009

‘যোইনি তাঁই বিশ্ব খনহি জীৱমি’ – এই পদফাকি কোনবিধি সাহিত্যৰ অন্তর্গত?

1. পুৰণি অসমীয়া
2. চৰ্যাপদ
3. শংকৰোন্তৰ ঘৃগৰ সাহিত্য
4. প্রাক্ অৰুণোদয় ঘৃগৰ সাহিত্য

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17933]  
2[Option ID=17934]  
3[Option ID=17935]  
4[Option ID=17936]

Sl. No.10  
QBID:136010

নীলাম, চাবোন, বুটাম, গামলা, মঙ্গু - এই শব্দকেইটাৰ মূল হ'ল?

1. ওলগুজ
2. পটুগীজ
3. আৰবী-পাচী
4. ইংৰাজী

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17937]  
2[Option ID=17938]  
3[Option ID=17939]  
4[Option ID=17940]

Sl. No.11  
QBID:136011

সুবেদ্রবৰ্মাৰ উমাচল শিলালিপিৰ সময়-

1. পঞ্চম শতিকা
2. চতুর্থ শতিকা
3. সপ্তম শতিকা
4. আষ্টম শতিকা

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17941]  
2[Option ID=17942]  
3[Option ID=17943]  
4[Option ID=17944]

Sl. No.12  
QBID:136012

মাগধী গোষ্ঠীৰ একেবাৰে পশ্চিমৰ ভাষা হৈছে-

1. বাংলা
2. মেথিলী
3. ভোজপুৰী
4. ওড়িয়া

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17945]  
2[Option ID=17946]  
3[Option ID=17947]  
4[Option ID=17948]

Sl. No.13  
QBID:136013

‘আধুনিক অসমীয়া শব্দকোষ’-ৰ প্রণেতা-

1. উপেন্দ্রনাথ গোৱামী
2. শিৰনাথ বৰ্মন
3. কাছেমা খাতুন
4. সুমন্ত চলিহা

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17949]  
2[Option ID=17950]  
3[Option ID=17951]  
4[Option ID=17952]

Sl. No.14  
QBID:136014

নাথান ব্রাউনৰ Grammatical Notes on the Assamese Language শীৰ্ষক গ্রন্থখন ১৮৮২ চনত P.H. Moore এ  
পুনৰ মুদ্ৰণ কৰে আৰু গ্রন্থখন পুনৰ প্রকাশ কৰে-

1. অসম প্রকাশন পৰিষদে
2. বনলতাই
3. অসম সাহিত্য সভাই
4. বাণী প্রকাশে

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17953]  
2[Option ID=17954]  
3[Option ID=17955]  
4[Option ID=17956]

Sl. No.15  
QBID:136015

ড° বাণীকান্ত কাকতিৰ মতে বহুবচনাত্মক প্রত্যয় ‘বিলাক’, ‘ঙুলা’, ‘গিলাক’ আদি আহিব পাৰে-

1. অস্ত্রিক ভাষাৰ পৰা
2. বড়ো ভাষাৰ পৰা
3. টাই ভাষাৰ পৰা
4. দ্বাৰিড় ভাষাৰ পৰা

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17957]  
2[Option ID=17958]  
3[Option ID=17959]  
4[Option ID=17960]

Sl. No.16  
QBID:136016

আধুনিক অসমীয়া লিপিৰ আৰণ্যণি কোন শতিকাৰ পৰা হয়?

1. সপ্তদশ শতিকাৰ পৰা
2. অষ্টাদশ শতিকাৰ পৰা
3. উনবিংশ শতিকাৰ পৰা
4. বিংশ শতিকাৰ পৰা

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17961]  
2[Option ID=17962]  
3[Option ID=17963]  
4[Option ID=17964]

Sl. No.17  
QBID:136017

Comparative Literature পরিভাষাটোৰ প্ৰয়োগ কোনে প্ৰথমে কৰিছিল?

1. মেথিডু আৰ্ণভে
2. পচনেটে
3. ৰবীন্দ্ৰনাথ ঠাকুৰে
4. জৰ্জ চেইণ্টচৰেৰীয়ে

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17965]  
2[Option ID=17966]  
3[Option ID=17967]  
4[Option ID=17968]

Sl. No.18  
QBID:136018

তলত উল্লেখ কৰা তুলনামূলক সাহিত্যৰ বিশাবদকেইজনৰ ভিতৰত কোনজন আমেৰিকান স্কুলৰ অন্তৰ্গত নহয়?

1. ৰেনে ৱেলেক
2. ডেভিড ম'ল'ন
3. আষ্টিন ৱাৰেন
4. ভেন টিগেম

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17969]  
2[Option ID=17970]  
3[Option ID=17971]  
4[Option ID=17972]

Sl. No.19  
QBID:136019

তলত উল্লেখ কৰা দিশকেইটাৰ ভিতৰত কোনটো অনুবাদৰ এক সাৰ্বজনীন দিশ নহয়?

1. অস্পষ্টতা
2. সৰলীকৰণ
3. পুনৰুৎসৃষ্টি পৰিহাৰ
4. দ্ব্যৰ্থতাহীনকৰণ

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17973]  
2[Option ID=17974]  
3[Option ID=17975]  
4[Option ID=17976]

Sl. No.20  
QBID:136020

এটা ভাষাৰ ভাষিক চিহ্নৰ দ্বাৰা অৰ্থাৎ ভাষাটোৰ শব্দ, শব্দগুচ্ছ আৰু বাক্যৰ দ্বাৰা সেই ভাষাবে আন ভাষিক চিহ্নৰ নিৰ্বচন বা ব্যাখ্যা [interpretation] কেনেধৰণৰ অনুবাদ?

1. অন্তঃভাষিক [intralingual] অনুবাদ
2. আন্তৰ্ভাষিক [interlingual] অনুবাদ
3. অন্তঃসাংকেতিক [intra-semiotic] অনুবাদ
4. আন্তঃসাংকেতিক [inter-semiotic] অনুবাদ

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17977]  
2[Option ID=17978]  
3[Option ID=17979]  
4[Option ID=17980]

Sl. No.21  
QBID:136021

আহোম যুগৰ স্থাপত্য মূলতঃ প্ৰয়োজনীয়তাৰ ভিত্তিত নিৰ্মিত যদিও মন্দিৰবোৰত বিশেষ শৈলীৰ প্ৰভাৱ দেখা যায়। সেয়া হৈছে-

1. দক্ষিণ ভাৰতীয় দ্রাবিড় শৈলী
2. উত্তৰ ভাৰতীয় নাগৰ শৈলী
3. মধ্য ভাৰতীয় বেসৰ শৈলী
4. নাগৰ আৰু বেসৰ উভয় শৈলী

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17981]

2[Option ID=17982]

3[Option ID=17983]

4[Option ID=17984]

Sl. No.22

QBID:136022

তলত দিয়া পূৰ্বণি অসমীয়া সাজপাৰসমূহৰ ভিতৰত কোনটোত ইছলামীয় উপাদান পোৱা যায় ?

1. চৌগা-চাপকন
2. বিহা
3. চেলেং
4. চুৰীয়া

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17985]

2[Option ID=17986]

3[Option ID=17987]

4[Option ID=17988]

Sl. No.23

QBID:136023

অসমত একান্তই প্ৰাথমিক স্বৰত পানীখেতিৰ প্ৰচলন কোন সংস্কৃতিৰ অৱদান বুলি কোৱা হয় ?

1. অঞ্চিক
2. আৰ্য
3. নেগ্রিটো
4. দ্রাবিড়

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17989]

2[Option ID=17990]

3[Option ID=17991]

4[Option ID=17992]

Sl. No.24

QBID:136024

শংকৰী যুগৰ অন্যতম বাদ্য খোল এবিধ-

1. আনন্দ বা অৱনন্দ বাদ্য
2. তত বাদ্য
3. সুষিৰ বাদ্য
4. ঘন বাদ্য

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=17993]

2[Option ID=17994]

3[Option ID=17995]

4[Option ID=17996]

Sl. No.25

QBID:136025

‘চর্যাগীতিকোষ’ গ্রন্থের মতে সহজযান পন্থের সর্বপ্রথম সিদ্ধাচার্যের নাম-

1. কুক্তুরিপাদ
2. লুইপাদ
3. সৰহপাদ
4. ভুসুকপাদ

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=17997]  
2[Option ID=17998]  
3[Option ID=17999]  
4[Option ID=18000]

Sl. No.26  
QBID:136026

মাধৱ কল্পিত ভগিতাত পোরা দেরজিত কাব্যত কাৰ কাৰ বৰ্ণনা পোৱা যায় ?

1. বাম আৰু কৃষ্ণ
2. অজৰ্জুন আৰু ইন্দ্ৰ
3. বাম আৰু লক্ষ্মণ
4. অজৰ্জুন আৰু কৃষ্ণ

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18001]  
2[Option ID=18002]  
3[Option ID=18003]  
4[Option ID=18004]

Sl. No.27  
QBID:136027

‘শ্রীকৃষ্ণকীর্তন’-ৰ প্রথম সম্পাদক-

1. চণ্ডীদাস
2. জয়দেৱ
3. বসন্তবঙ্গন বায়
4. বামাই পণ্ডিত

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18005]  
2[Option ID=18006]  
3[Option ID=18007]  
4[Option ID=18008]

Sl. No.28  
QBID:136028

দামোৰদেৱে “শ্রী-শূদ্রে বুজিৰ পৰাকৈ কথাবন্দো” এই উক্তিৰ জৰিয়তে ভট্টদেৱক কোনখন গ্রন্থ বচনা কৰিবলৈ কৈছিল ?

1. গীতা
2. ভাগৰত
3. ৰত্নাৱলী
4. বামায়ণ

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18009]  
2[Option ID=18010]  
3[Option ID=18011]  
4[Option ID=18012]

Sl. No.29  
QBID:136029

‘অচমিয়া ইংৰাজি অভিধান’ প্ৰকাশৰ চন-

1. ১৯৬৭
2. ১৮৬৭
3. ১৮৪৮
4. ১৮৮৯

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18013]

2[Option ID=18014]

3[Option ID=18015]

4[Option ID=18016]

Sl. No.30

QBID:136030

‘উপভাষা-বিজ্ঞান’ শীৰ্ষক গ্রন্থৰ প্ৰণেতাজন-

1. ব্ৰহ্মেশ পাঠক
2. দীপঙ্কৰ মৰল
3. দীপ্তি ফুকন পাটগিৰি
4. মুকুল চক্ৰবৰ্তী

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18017]

2[Option ID=18018]

3[Option ID=18019]

4[Option ID=18020]

Sl. No.31

QBID:136031

তিৰিতবৰ্মীয় শাখাৰ ভাষাসমূহৰ তলৰ কোনটো ভাষাত মহাপ্ৰাণ ধৰনিৰ উচ্চাৰণ পোৱা নাযায় ?

1. বড়ো
2. মিচিং
3. কাৰি
4. বাভা

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18021]

2[Option ID=18022]

3[Option ID=18023]

4[Option ID=18024]

Sl. No.32

QBID:136032

নীড়হামে ৰচনা কৰা মিচিং ভাষাৰ ব্যাকৰণখনৰ নাম-

1. Mising Abar Language
2. Outline Grammar of the Syaiyan Miri Langauge
3. Mising Agam Mimang
4. Mising Grammar

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18025]

2[Option ID=18026]

3[Option ID=18027]

4[Option ID=18028]

Sl. No.33

QBID:136033

‘ফুলকেঁরৰ গীত’ এবিধ-

1. কমবিষয়ক গীত
2. আধ্যানমূলক গীত
3. বিলাপ গীত
4. বাৰমাহী গীত

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18029]

2[Option ID=18030]

3[Option ID=18031]

4[Option ID=18032]

Sl. No.34

QBID:136034

বাৰমাহী গীতৰ আন এটা নাম-

1. বিলাপ গীত
2. ময়নামতী গীত
3. কাচনমতী গীত
4. জুনা গীত

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18033]

2[Option ID=18034]

3[Option ID=18035]

4[Option ID=18036]

Sl. No.35

QBID:136035

আৰৱ দেশৰ লোককথাৰ আধাৰত সৃষ্টি হোৱা সাধুকথা-

1. হিতোপদেশ
2. ঈচ্ছপৰ সাধু
3. এহেজাৰ এনিশাৰ সাধু
4. কথাসৰিত্সাগৰ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18037]

2[Option ID=18038]

3[Option ID=18039]

4[Option ID=18040]

Sl. No.36

QBID:136036

সাগৰৰ মৌ, পৰ্বতৰ টৌ

বাপেকৰ তিবী নাই পুতেকৰ সাত বৌ।

এইফাকি এবিধ -

1. ফকৰা-যোজনা
2. নিচুকনি গীত
3. ওমলা গীত
4. দেহ বিচাৰৰ গীত

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18041]

2[Option ID=18042]

3[Option ID=18043]

4[Option ID=18044]

Sl. No.37

QBID:136037

অসমৰ সংস্কৃতি বিষয়ক তলৰ গ্রন্থকেইখনৰ ভিতৰত প্ৰথমখন গ্রন্থ-

1. নবীনচন্দ্ৰ শৰ্মাৰ ‘অসমীয়া লোক সংস্কৃতিৰ আভাস’
2. নিৰ্মলপ্ৰভা বৰদলৈৰ ‘অসমৰ লোকসংস্কৃতি’
3. বিৰিধি কুমাৰ বৰুৱাৰ ‘অসমৰ লোকসংস্কৃতি’
4. লীলা গণেৰ ‘অসমৰ সংস্কৃতি’

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18045]  
2[Option ID=18046]  
3[Option ID=18047]  
4[Option ID=18048]

Sl. No.38

QBID:136038

তলৰ কোনখন গ্রন্থ প্ৰফুল্লদত্ত গোৱামীয়ে ৰচনা কৰা নহয় ?

1. বাৰ মাহৰ তেৰ গীত
2. মণিকোঁৱৰ আৰু ফুলকোঁৱৰ
3. অসমৰ সাধুকথা
4. অসমীয়া জনসাহিত্য

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18049]  
2[Option ID=18050]  
3[Option ID=18051]  
4[Option ID=18052]

Sl. No.39

QBID:136039

‘কিৰাত’ নামেৰে জনাজাত গোষ্ঠীটো-

1. মঙ্গোলীয়
2. আৰ্য বা নড়িক
3. নেগ্ৰিটো
4. অস্ট্ৰিক

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18053]  
2[Option ID=18054]  
3[Option ID=18055]  
4[Option ID=18056]

Sl. No.40

QBID:136040

মাতৃপ্ৰধান সমাজ-ব্যবস্থাৰ প্ৰচলন থকা জনগোষ্ঠীটো হ'ল-

1. চিংফৌ
2. ডিমাছা
3. গাৰো
4. ৰাভা

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18057]  
2[Option ID=18058]  
3[Option ID=18059]  
4[Option ID=18060]

Sl. No.41

QBID:136041

- A. আসাম বাতৰি
- B. আসাম নিউচ
- C. অসম বান্ধাৰ
- D. আসাম বন্ধু
- E. অসম তৰা

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা হেমচন্দ্ৰ বৰুৱা আৰু গুণাভিবাম বৰুৱাই সম্পাদনা কৰা কাকতৰ শুদ্ধ থুলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. B আৰু D
- 2. A আৰু D
- 3. B আৰু C
- 4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18061]  
2[Option ID=18062]  
3[Option ID=18063]  
4[Option ID=18064]

Sl. No.42

QBID:136042

- A. জয়মতী কুঁৱৰী
- B. গদাধৰ
- C. লাচিত বৰফুকন
- D. টেটোন তামুলী
- E. বেলিমাৰ

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ দ্বাৰা বচিত নাটকৰ থুলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু D
- 2. B আৰু C
- 3. C আৰু D
- 4. A আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18065]  
2[Option ID=18066]  
3[Option ID=18067]  
4[Option ID=18068]

Sl. No.43

QBID:136043

- A. অসমৰ বিৰল পশুপক্ষী
- B. টংকমামাৰ অংক সাধু
- C. বিজ্ঞানৰ মেজিক
- D. বিজ্ঞান আৰু সভ্যতা
- E. কোনে কি কেনেকৈ উদ্ঘারন কৰিছিল

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শিৱনাথ বৰ্মন আৰু কুলেন্দু পাঠকৰ দ্বাৰা বচিত শিশু উপযোগী বিজ্ঞান বিষয়ক গ্ৰন্থকেইখনৰ থুলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. B আৰু E
- 2. B আৰু D
- 3. A আৰু C
- 4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18069]  
2[Option ID=18070]  
3[Option ID=18071]  
4[Option ID=18072]

Sl. No.44

QBID:136044

- A. ৰমন্যসবাদ হ'ল ৰোগ, ক্ষৰবাদ স্বাস্থ্য
- B. ৰমন্যসবাদ হ'ল বিশ্ময়ৰ পুনৰজাগৰণ
- C. কল্পনাশক্তিৰ অনন্যসাধাৰণ বিকাশেই ৰমন্যসবাদ
- D. ৰমন্যসবাদ সংজ্ঞাৰ অতীত
- E. বাহ্যিক অভিজ্ঞতাৰ পৰা আঁতিৰি গৈ অন্তর্লোকৰ ওপৰত দৃষ্টি নিবন্ধ কৰাটোৱেই ৰমন্যসবাদ।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা হাৰফোৰ্ড আৰু কাজামিয়াই দিয়া ৰমন্যসবাদৰ সংজ্ঞাৰ শুদ্ধ খূলটো চিনাক্ত কৰাঁ-

1. A আৰু D
2. B আৰু C
3. C আৰু D
4. D আৰু E

(1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

1[Option ID=18073]  
 2[Option ID=18074]  
 3[Option ID=18075]  
 4[Option ID=18076]

**Sl. No.45**

**QBID:136045**

- A. বিসংগতিৰ মাজেদিহে সংগতি বিচাৰ কৰা হয়।
- B. বিনিৰ্মাণ মানে ধৰ্মস নহয়, খুলি পেলোৱা বা সোলোকাই দিয়াহে।
- C. কথিত ভাষাই নিৰ্গঠনৰ মূল আধাৰ।
- D. পূৰ্বসূৰিৰ দুৰ্বল ঘৃন্তিবোৰ সোলোকাই দি নতুন ঘৃন্তিৰে প্ৰতিষ্ঠা কৰাটো বিনিৰ্মাণৰ প্ৰধান কাম।
- E. সংযুক্তি নিৰ্গঠনৰ মূল মেৰুদণ্ড

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা নিৰ্গঠনবাদৰ প্ৰসংগত প্ৰযোজ্য শুদ্ধ মন্তব্যৰ খূলটো চিনাক্ত কৰাঁ-

1. A আৰু B
2. B আৰু E
3. B আৰু D
4. C আৰু D

(1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

1[Option ID=18077]  
 2[Option ID=18078]  
 3[Option ID=18079]  
 4[Option ID=18080]

**Sl. No.46**

**QBID:136046**

- A. মেথিউ আৰ্ণন্ডক তুলনামূলক সাহিত্যৰ জনক বুলি কোৱা হয়।
- B. তুলনামূলক সাহিত্যৰ তত্ত্ব বিষয়ক প্ৰথমখন গ্ৰন্থৰ বচয়তা আছিল পচনেট।
- C. তুলনামূলক সাহিত্যৰ জনক আছিল জৰ্জ চেইণ্টচেবৰী।
- D. তুলনামূলক সাহিত্যৰ তত্ত্ব বিষয়ক প্ৰথমখন গ্ৰন্থৰ বচয়তা আছিল মেথিউ আৰ্ণন্ড।
- E. তুলনামূলক সাহিত্যৰ জনক বুলিলে বেনে রেলেকক জনা যায়।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উক্তিৰ খূলটো চিনাক্ত কৰাঁ-

1. A আৰু B
2. B আৰু C
3. C আৰু D
4. D আৰু E

(1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

1[Option ID=18081]  
 2[Option ID=18082]  
 3[Option ID=18083]  
 4[Option ID=18084]

Sl. No.47  
QBID:136047

- A. ইংরাজী ৰোমাণ্টিক কবিসকল কবিতাৰ অনুবাদৰ বিৰোধী আছিল।  
B. ইংৰাজী ৰোমাণ্টিক কবিসকলে কবিতাৰ অনুবাদৰ পোষকতা কৰিছিল।  
C. শ্যেলিৰ মতে কবিতা অনুবাদ কৰা মানে ভায়োলেট ফুল এপাহৰ ৰং আৰু গঠন বিচাৰি ফুলপাহকে ফালিচিৰি নষ্ট কৰা।  
D. কবিতাৰ অনুবাদৰ বিষয়ে শ্যেলিয়ে কোনো মন্তব্য কৰা নাছিল।  
E. ৰবাৰ্ট ফ্রন্টে মন্তব্য কৰিছিল যে অনুবাদত যি হেৰাই যায় সেয়ে কবিতা।
- তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা অশুল্ক মন্তব্যৰ খূলটো চিনাক্ত কৰা-

1. A আৰু C
2. B আৰু D
3. C আৰু E
4. B আৰু C

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18085]  
2[Option ID=18086]  
3[Option ID=18087]  
4[Option ID=18088]

Sl. No.48  
QBID:136048

- A. আন্তর্জাতিক সাহিত্য  
B. সাৰ্বজনীন সাহিত্য  
C. স্থানীয় সাহিত্য  
D. প্ৰাণীয় সাহিত্য  
E. বিশ্ব সাহিত্য
- তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা তুলনামূলক সাহিত্যৰ সৈতে সম্পৰ্ক নথকা পৰিভাষাৰ খূলটো চিনাক্ত কৰা-

1. A আৰু B
2. B আৰু C
3. C আৰু D
4. D আৰু E

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18089]  
2[Option ID=18090]  
3[Option ID=18091]  
4[Option ID=18092]

Sl. No.49  
QBID:136049

- A. অনন্ত কন্দলিয়ে কাণখোৱা বচনা কৰিছিল  
B. অনন্ত কন্দলি শঙ্কৰদেৱৰ সমকালীন  
C. অনন্ত কন্দলিৰ বামায়ণত বাল্মীকিৰ বামায়ণৰ প্ৰভাৱ নাছিল  
D. অনন্ত কন্দলি শঙ্কৰ-ভক্ত এগৰাকী প্ৰধান কৰি  
E. অনন্ত কন্দলিয়ে বামায়ণৰ পদ ভাঙনি কৰিছিল
- তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুল্ক খূলটো চিনাক্ত কৰা-

1. A আৰু B
2. B আৰু C
3. B, C আৰু D
4. B, D আৰু E

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=18093]  
2[Option ID=18094]  
3[Option ID=18095]  
4[Option ID=18096]

Sl. No.50  
QBID:136050

- A. অসমৰ জুমখেতি আৰু নাওল কোৰেৰে হালবোৱা কৃষিপদ্ধতি জনজাতীয় দান।  
 B. অসমত জুমখেতিৰ প্ৰচলন নাই।  
 C. প্ৰসূতি গৃহৰ সমুখত সিজুগছ, বগৰি কাঁইট আদি বান্ধি দিয়াৰ প্ৰথা কিৰাত, বিশেষকৈ বড়ো-কছাৰীসকলৰ  
     দ্বাৰা প্ৰভাৱিত।  
 D. অসমৰ বাঁহ-খেৰেৰ ঘৰ সজা, পাট কাপোৰৰ ব্যৱহাৰ আদিত তিবৰতীয়সকলৰ বৰঙণি আছে।  
 E. বাঁহ-খেৰেৰ ঘৰ সজা, পাট কাপোৰৰ ব্যৱহাৰ অসমৰ থলুৱা পৰম্পৰা, ইয়াত কাৰো প্ৰভাৱ নাই।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দৰ মন্তব্যৰ খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

1. A আৰু B
2. B আৰু D
3. B আৰু E
4. C আৰু D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18097]

2[Option ID=18098]

3[Option ID=18099]

4[Option ID=18100]

Sl. No.51

QBID:136051

- A. সূত্ৰধাৰজন একেৰাহে গায়ক, নৰ্তক, ঘোষক আৰু ব্যাখ্যাকাৰী।  
 B. সূত্ৰধাৰী নৃত্যৰ অবিহনে অংকীয় ভাওনাৰ অভিনয় অসম্পূৰ্ণ।  
 C. সূত্ৰধাৰে গীত পৰিবেশন কৰিব লগা নহয়।  
 D. সূত্ৰধাৰজন ভাওনাৰ অন্তলৈকে উপস্থিত থাকিব লগা নহয়।  
 E. সূত্ৰধাৰে প্ৰথমে সৰুভংগীৰ নাচ আগবঢ়ায়।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা অশুন্দৰ মন্তব্যৰ খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

1. A আৰু E
2. B আৰু C
3. C আৰু D
4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18101]

2[Option ID=18102]

3[Option ID=18103]

4[Option ID=18104]

Sl. No.52

QBID:136052

- A. অসমত ভাষা অধ্যয়ন  
 B. ভাষাবিজ্ঞান উপক্ৰমণিকা  
 C. ভাষাতত্ত্ব  
 D. অসমৰ ভাষা  
 E. অসমীয়া ভাষাৰ ইতিহাস

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা অপৰ্ণা কোঁৰিবৰ গ্ৰহৰ শুন্দৰ খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

1. A আৰু C
2. B আৰু D
3. A আৰু B
4. C আৰু D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18105]

2[Option ID=18106]

3[Option ID=18107]

4[Option ID=18108]

Sl. No.53

QBID:136053

- A. উপভাষা আৰু অসমৰ উপভাষা
- B. প্ৰাকৃত সাহিত্য
- C. তুলনামূলক ব্যাকৰণ
- D. ব্যাকৰণ আৰু প্ৰকৃতি বিজ্ঞান
- E. অসমীয়া ব্যাকৰণৰ মৌলিক বিচাৰ

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা সত্ত্বেন্নাবায়ণ গোৱামীৰ গ্ৰন্থৰ শুদ্ধ খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু B
- 2. B আৰু D
- 3. C আৰু D
- 4. B আৰু C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18109]  
2[Option ID=18110]  
3[Option ID=18111]  
4[Option ID=18112]

Sl. No.54

QBID:136054

- A. বাট্টল ব্ৰেথ্ট
- B. জাক ডেৰিডা
- C. ফার্ডিনাণ্ড দ্য চ্যচুৰ
- D. জাঁ পল ছাৰ্টে
- E. এলবেয়াৰ কেমু

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা অস্তিত্ববাদৰ সৈতে জড়িত লেখকৰ শুদ্ধ খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু E
- 2. B আৰু D
- 3. C আৰু D
- 4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18113]  
2[Option ID=18114]  
3[Option ID=18115]  
4[Option ID=18116]

Sl. No.55

QBID:136055

- A. ৰঘুনাথ মহন্ত সন্তুষ্টশ শতিকাৰ লেখক।
- B. ৰঘুনাথ মহন্তৰ উল্লেখযোগ্য বচনা হ'ল কথা ৰামায়ণ।
- C. ৰঘুনাথ মহন্ত আষ্টাদশ শতিকাৰ প্ৰথমাৰ্থৰ এজন লেখক।
- D. ৰঘুনাথ মহন্তই মাধৱ কলনিৰ দৰে পদত বামায়ণৰ অনুবাদ কৰিছিল।
- E. ৰঘুনাথ মহন্তৰ বামায়ণ বালিকীৰ পদানুগ আছিল।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা ৰঘুনাথ মহন্তৰ সন্দৰ্ভত ডাঙি ধৰা মহেশ্বৰ নেওগৰ মন্তব্যৰ শুদ্ধ খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু B
- 2. B আৰু C
- 3. C আৰু D
- 4. C, D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18117]  
2[Option ID=18118]  
3[Option ID=18119]  
4[Option ID=18120]

Sl. No.56

QBID:136056

- A. অসমীয়া ভাষার উচ্চারণ
- B. অসমীয়া ব্যাকরণ প্রবেশ
- C. অসমীয়া ব্যাকরণ আৰু ভাষাতত্ত্ব
- D. আধুনিক অসমীয়া ব্যাকরণ
- E. অসমীয়া ভাষার উচ্চারণ, সমৃদ্ধি আৰু বিকাশ

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা গোলোকচন্দ্ৰ গোসামীৰ গ্ৰন্থৰ শুন্দি খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু C
- 2. B আৰু C
- 3. C আৰু D
- 4. A আৰু B

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18121]  
2[Option ID=18122]  
3[Option ID=18123]  
4[Option ID=18124]

Sl. No.57

QBID:136057

- A. পাখোৱাজ, তবলা, চুলুকি আদি বাদ্যৰ প্ৰথমে আহোম আৰু কোচ ৰাজ্যলৈ আমদানি ঘটিছিল।
- B. ঢেলক আৰু পাখোৱাজ সত্ৰৰ চাৰিবেৰলৈও প্ৰসাৰিত হৈছিল।
- C. এই বাদ্যবোৰৰ প্ৰচলন সত্ৰত কেতিয়াও হোৱা নাছিল।
- D. আহোম আৰু কোচ নৃপতিসকলে ঢেলক, পাখোৱাজ আদি বাদ্যক বিদেশী বাদ্য বুলি পৰিহাৰ কৰিছিল।
- E. শক্তৰী গীত, নৃত্য, অভিনয়ত এইকেইধিক বাদ্যৰ বিস্তৰ প্ৰয়োগ দেখা যায়।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু B
- 2. B আৰু C
- 3. C আৰু D
- 4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18125]  
2[Option ID=18126]  
3[Option ID=18127]  
4[Option ID=18128]

Sl. No.58

QBID:136058

- A. পাৰিজাত হৰণ
- B. ভোজন বেহাৰ
- C. ৰামবিজয়
- D. কেলি গোপাল
- E. অৰ্জুনভঞ্জন

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শক্তবদেৱৰ দ্বাৰা বচিত অক্ষীয়া নাটৰ শুন্দি খূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A, B আৰু D
- 2. A, C আৰু D
- 3. B আৰু E
- 4. C আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18129]  
2[Option ID=18130]  
3[Option ID=18131]  
4[Option ID=18132]

Sl. No.59

QBID:136059

- A. সাতসৰী অসম বুৰঞ্জী
- B. পুৰণি অসম বুৰঞ্জী
- C. কামৰূপৰ বুৰঞ্জী
- D. চাঁকুঁ ফুকনৰ বুৰঞ্জী
- E. আসাম বুৰঞ্জী

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা সূৰ্যকুমাৰ ভূঞ্জাৰ দ্বাৰা সম্পাদিত বুৰঞ্জীৰ শুদ্ধ থূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু C
- 2. B আৰু C
- 3. C আৰু D
- 4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18133]  
2[Option ID=18134]  
3[Option ID=18135]  
4[Option ID=18136]

Sl. No.60

QBID:136060

- A. টেঙাই মহন পণ্ডিত
- B. ৰমাকান্ত মোলাইঘৰীয়া
- C. বিমলাকান্ত বৰুৱা
- D. নলনাথ দেওধাই ফুকন
- E. গোলাপ চন্দ্ৰ বৰুৱা

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা Ahom Lexiconৰ সংকলক আৰু সম্পাদকৰ শুদ্ধ থূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু B
- 2. B আৰু C
- 3. C আৰু D
- 4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18137]  
2[Option ID=18138]  
3[Option ID=18139]  
4[Option ID=18140]

Sl. No.61

QBID:136061

- A. প্ৰথম অসমীয়া ভাষা বিষয়ক গ্ৰন্থ।
- B. অসমীয়া ভাষাৰ গঠনমূলক প্ৰত্যয়ৰ বিচৃত অধ্যয়ন আছে।
- C. অসমীয়া ভাষাৰ মূল সম্পর্কে পোৱা যায়।
- D. অসমীয়া বাক্যতত্ত্বৰ আলোচনা আছে।
- E. অসমীয়া ভাষাৰ বিকাশৰ যুগ বিভাজন উপৰি ধৰিছে।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ বৰ্ণনাত্মক আৰু ঐতিহাসিক পদ্ধতিবে লিখা গ্ৰন্থ হিচাপে Assamese Its Formation and Development সম্পর্কে শুদ্ধ মন্তব্যৰ থূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

- 1. B, C আৰু E
- 2. A, B আৰু D
- 3. C আৰু D
- 4. D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18141]  
2[Option ID=18142]  
3[Option ID=18143]  
4[Option ID=18144]

Sl. No.62

QBID:136062

- A. সুব্যুক্ত
- B. অল্পপ্রাণ ধ্বনির অভাব
- C. আটাইকেইটা ভাষাতে ব আৰু হ ধ্বনিৰ উচ্চাৰণ পোৱা যায়।
- D. দীৰ্ঘ স্বৰ পোৱা যায়।
- E. দক্ষিণ পূৰ এছিয়াৰ ভাষাৰ লগত গঠনগত মিল আছে।

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা অসমৰ টাইমূলীয় ভাষাকেইটা টাই-কাদাই পৰিয়ালৰ অন্তর্গত বুলি প্ৰমাণ কৰিব  
পৰা শুন্দ মন্তব্যৰ খূলটো চিনাক্ত কৰাঁ-

- 1. A আৰু B
- 2. C আৰু D
- 3. A, D আৰু E
- 4. C, D আৰু E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18145]  
2[Option ID=18146]  
3[Option ID=18147]  
4[Option ID=18148]

Sl. No.63  
QBID:136063

- A. অসমীয়া জন সাহিত্য
- B. অসমীয়া আধ্যান গীতি সংগ্ৰহ
- C. কামৰূপী লোকগীতি সংগ্ৰহ
- D. গোৱালপৰীয়া লোকগীতি সংগ্ৰহ
- E. বাৰ মাহৰ তেৰ গীত

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা প্ৰফুল্লদত্ত গোৱামীৰ গ্ৰন্থৰ শুন্দ খূলটো চিনাক্ত কৰাঁ-

- 1. C আৰু D
- 2. A আৰু E
- 3. A আৰু B
- 4. C আৰু D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18149]  
2[Option ID=18150]  
3[Option ID=18151]  
4[Option ID=18152]

Sl. No.64  
QBID:136064

- A. ওমলা গীত
- B. মণিকোঁৰৰ গীত
- C. ধাই নাম
- D. জনাগাভৰুৰ গীত
- E. আই নাম

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা বেলাডৰ শুন্দ খূলটো চিনাক্ত কৰাঁ-

- 1. B আৰু D
- 2. A আৰু E
- 3. C আৰু E
- 4. D আৰু A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18153]  
2[Option ID=18154]  
3[Option ID=18155]  
4[Option ID=18156]

Sl. No.65  
QBID:136065

- A. জাতক
- B. এহেজাৰ এনিশাৰ সাধু
- C. ঈছপৰ সাধু
- D. গ্ৰীমৰ সাধু
- E. পঞ্চতন্ত্ৰ

তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা সংক্ষতমূলীয় সাধুকথাৰ সংগ্ৰহৰ শুন্দি থূলটো চিনান্ত কৰাঁ-

1. A আৰু E
2. D আৰু E
3. B আৰু C
4. D আৰু A

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=18157]  
 2[Option ID=18158]  
 3[Option ID=18159]  
 4[Option ID=18160]

**Sl. No.66**  
**QBID:136066**

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. মেজাংকৰি	I. সাঁচিপাত
B. বহুবি	II. ৰেচমি কাপোৰ
C. হাইতল	III. শেন চৰাই
D. অগক	IV. ৰঞ্জক পদাৰ্থ

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-II, B-III, C-I, D-IV
4. A-IV, B-III, C-II, D-I

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=18161]  
 2[Option ID=18162]  
 3[Option ID=18163]  
 4[Option ID=18164]

**Sl. No.67**  
**QBID:136067**

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. Word for Word	I. অর্থগত অনুবাদ
B. Idiomatic Translation	II. অনুকূল
C. Adaptation	III. ডাতুৱা অনুবাদ
D. Semantic Translation	IV. আক্ষৰিক অনুবাদ

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-I, C-IV, D-III
4. A-III, B-IV, C-I, D-II

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=18165]  
 2[Option ID=18166]  
 3[Option ID=18167]  
 4[Option ID=18168]

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. হেমাংগ বিশ্বাস	I. ইজুরাইল
B. হেম বৰুৱা	II. তত্ত্বানৰ দেশত
C. ঝুঁড়জ্যোতি বৰা	III. আকেঁ চীন চাই আহিলোঁ
D. তোষপ্রভা কলিতা	IV. চীনা এডুমিৰেলৰ জাল

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-III, B-II, C-I, D-IV
2. A-I, B-IV, C-III, D-II
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18169]

2[Option ID=18170]

3[Option ID=18171]

4[Option ID=18172]

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. ফার্টিনাগু দ্য চ্যাচুৰ	I. উত্তৰ সংযুতিবাদ
B. লেশ্বলি এবাৰক্রমি	II. নব্য ঝুঁড়বাদ
C. জাক ডেৰিডা	III. ৰোমাণ্টিকতাবাদ
D. আলেকজেণ্ডাৰ পোপ	IV. সংযুতিবাদ

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-I, B-IV, C-III, D-II
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-IV, B-III, C-II, D-I
4. A-IV, B-I, C-III, D-II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18173]

2[Option ID=18174]

3[Option ID=18175]

4[Option ID=18176]

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. বিশ্বলিপিৰ ভূমিকা	I. উপেন্দ্ৰনাথ গোৱামী
B. অসমীয়া লিপিৰ পৰিচয়	II. সৰ্বেশ্বৰ কটকী
C. অসমীয়া প্ৰাচীন লিপি	III. কনক চন্দ্ৰ চহৰীয়া
D. অসমীয়া লিপি	IV. নাৰায়ণ দাস

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-IV, B-III, C-II, D-I
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-IV, B-II, C-III, D-I
4. A-II, B-I, C-III, D-IV

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18177]

2[Option ID=18178]

3[Option ID=18179]

4[Option ID=18180]

Sl. No.71

QBid:136071

‘ক’ স্তুতি		‘খ’ স্তুতি	
A.	পালি প্রাকৃত অপদ্রংশ আৰু অসমীয়া ভাষা	I.	খগেশ সেন ডেকা
B.	ব্যাকৰণ প্রাচ্য আৰু পাশ্চাত্য	II.	নগেন ঠাকুৰ
C.	অসমীয়া ভাষাৰ ৰূপতত্ত্ব আৰু ব্যাকৰণ	III.	দীপ্তি ফুকন পাটগিৰি
D.	মধ্যযুগৰ অসমীয়া ভাষাৰ ব্যাকৰণ	IV.	নাৰায়ণ শৰ্মা

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি  
বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-I, B-II, C-III, D-IV

2. A-IV, B-III, C-II, D-I

3. A-II, B-I, C-IV, D-III

4. A-III, B-II, C-IV, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18181]

2[Option ID=18182]

3[Option ID=18183]

4[Option ID=18184]

Sl. No.72

QBid:136072

‘ক’ স্তুতি		‘খ’ স্তুতি	
A.	কৃষ্ণাইৰ মূৰতে বৰুল ফুল এপাহি নিয়ৰ পাই মুকাল হাল	I.	গোৱালপৰীয়া লোকগীত
B.	আম মলে থোপা-থুপি কদম মলে হালি বেইৰ মাজুত পথ জুলে মেঘে ঢালে পানী	II.	বেলাড
C.	আ মোৰ দন্তাল হাতীৰ মাছুত ৰে যেদিন মাছুত চিকাৰ ঘায় নাৰীৰ মন মোৰ ঝুৰিয়া ঘায় ৰে	III.	হুচৰি
D.	মালিনীৰ বাবিতে পৰি ফুলকোঁৰৰে মিচিকিয়াই পেলালে হাঁহি সেউটী মালতি তগৰ গুটিমালি সবেও মেলিলে পাহি	IV.	বিয়ানাম

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি  
বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-III, B-II, C-IV, D-I

2. A-IV, B-III, C-I, D-II

3. A-III, B-IV, C-I, D-II

4. A-I, B-II, C-IV, D-III

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=18185]  
 2[Option ID=18186]  
 3[Option ID=18187]  
 4[Option ID=18188]

**Sl. No.73**  
**QBID:136073**

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. Recreation	I. অনুকরণ
B. Imitation	II. পুনঃসৃজন
C. Resonance	III. দিক্কদর্শন
D. Orientation	IV. অনুরণন

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুল্ক  
বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-IV, B-III, C-II, D-I  
 2. A-I, B-II, C-III, D-IV  
 3. A-II, B-I, C-IV, D-III  
 4. A-III, B-IV, C-II, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=18189]  
 2[Option ID=18190]  
 3[Option ID=18191]  
 4[Option ID=18192]

**Sl. No.74**  
**QBID:136074**

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. মাধৱ কন্দলি	I. দুর্গভ নাৰায়ণ
B. কদু কন্দলি	II. শ্রীমন্ত তামৰ্খণ্ড
C. কবিৰত্ন সৰষ্টা	III. মহামাণিক্য
D. হেম সৰষ্টা	IV. ইন্দ্ৰনাৰায়ণ

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুল্ক  
বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-II, B-IV, C-III, D-I  
 2. A-IV, B-I, C-II, D-III  
 3. A-III, B-IV, C-I, D-II  
 4. A-III, B-II, C-IV, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=18193]  
 2[Option ID=18194]  
 3[Option ID=18195]  
 4[Option ID=18196]

**Sl. No.75**  
**QBID:136075**

‘ক’ স্তুতি	‘খ’ স্তুতি
A. নারিকল>নাইরকল	I. মিশ্রণ
B. গর্ভ+ৰূপ=গাভৰূ	II. স্বৰসংগতি
C. টেল+জ্যো	III. অল্পপ্রাণ
D. শৃঙ্খল>শিকলি	IV. অপিনিহিতি

ওপৰৰ ‘ক’ স্তুতিৰ সৈতে ‘খ’ স্তুতিৰ বিষয়সমূহৰ সাদৃশ্য বিচাৰ কৰি তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-IV, B-I, C-II, D-III
2. A-III, B-II, C-IV, D-I
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18197]

2[Option ID=18198]

3[Option ID=18199]

4[Option ID=18200]

Sl. No.76  
QBID:136076

- A. হিমেন্দ্র প্ৰসাদ বৰঠাকুৰৰ ‘বাঘ’
- B. সাৰদা বৰদলৈৰ ‘মগৱৰিবৰ আজান’
- C. অৰূপ শৰ্মাৰ ‘শ্ৰী নিবাৰণ ভট্টাচাৰ্য্য’
- D. যুগল দাসৰ ‘বায়নৰ খোল’
- E. মুনীন শৰ্মাৰ ‘সভ্যতাৰ সংকট’

প্ৰকাশ কালৰ আধাৰত একাদিক্ৰমে সজাই শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. B-C-A-D-E
2. C-A-D-B-E
3. B-A-D-E-C
4. D-B-E-A-C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18201]

2[Option ID=18202]

3[Option ID=18203]

4[Option ID=18204]

Sl. No.77  
QBID:136077

- A. কথখক
- B. কথখক
- C. গঘ
- D. গঘ
- E. গঘ

পেট্ৰোকীয় আইিৰ চনেট ‘প্ৰিয়তমাৰ চিঠি’ৰ অন্ত্যমিলৰ বিন্যাসৰ শুন্দি ক্ৰমটো সজাই শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

1. A-B-C-D-E
2. A-C-D-E-B
3. C-D-E-A-B
4. A-C-D-B-A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18205]

2[Option ID=18206]

3[Option ID=18207]

4[Option ID=18208]

**Sl. No.78**  
**QBid:136078**

- A. অসমীয়া সাহিত্যত দৃষ্টিপাত
- B. নতুন পোহৰত অসমীয়া সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী
- C. অসমীয়া ভাষা আৰু সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী
- D. অসমীয়া সাহিত্যৰ কৃপবেখ
- E. অসমীয়া সাহিত্যৰ ইতিবৃত্ত

প্ৰথম প্ৰকাশৰ আধাৰত একাদিক্ৰমে সজাই শুন্দি বিকল্পটো নিৰ্ণয় কৰাঁ-

- 1. B- A-C-D-E
- 2. A- B-D-E-C
- 3. D-E- A-C-B
- 4. C -E-A -D-B

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18209]

2[Option ID=18210]

3[Option ID=18211]

4[Option ID=18212]

**Sl. No.79**

**QBid:136079**

- A. বুৰঞ্জীৰ গদ্য
- B. বাৰহাৰিক গদ্য
- C. কথাভাগৱতৰ গদ্য
- D. অংকীয়া নাটৰ গদ্য
- E. বুৰঞ্জীবিবেক বন্ধৰ গদ্য

তলৰ বিকল্পসমূহৰ পৰা অসমীয়া গদ্যৰ বিকাশৰ ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা –

- 1. C-D- E-A-B
- 2. D -C-A-B-E
- 3. A-B-C-E-D
- 4. B-C-A-D-E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18213]

2[Option ID=18214]

3[Option ID=18215]

4[Option ID=18216]

**Sl. No.80**

**QBid:136080**

- A. পচনেটৰ Comparative Literature
- B. টৰেঙ্গৰ ক'মেডি Phormio
- C. Comparative Literature পৰিভাষাটোৱ প্ৰথম প্ৰয়োগ
- D. ৰবীন্দ্ৰনাথ ঠাকুৰৰ ভাৰতীয় সাহিত্য পৰিষদৰ ভাষণ
- E. বুদ্ধদেৱ বসুৰ সম্পাদনাত তুলনামূলক সাহিত্যৰ পত্ৰিকা

তুলনামূলক সাহিত্যৰ ক্ষেত্ৰত গুৰুত্বপূৰ্ণ ওপৰৰ কথাকেইটা ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা –

- 1. C-D- A-B-E
- 2. B-D-A-C-E
- 3. A-B-C-D-E
- 4. B-C-A-D-E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18217]

2[Option ID=18218]

3[Option ID=18219]

4[Option ID=18220]

**Sl. No.81**

**QBid:136081**

- A. প্রাচীন অসমীয়া লিপি
- B. অসমীয়া লিপির পরিচয়
- C. অসমীয়া লিপিতত্ত্ব অধ্যয়ন
- D. অসমীয়া লিপি আৰু অসমৰ জনজাতীয় লিপি
- E. অসমীয়া লিপি

প্রথম প্রকাশৰ চনৰ আধাৰত ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা –

1. A-E-C-D-B
2. B-C-D-E-A
3. C-D-A-B-E
4. A-C-D-B-E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18221]

2[Option ID=18222]

3[Option ID=18223]

4[Option ID=18224]

Sl. No.82

QBID:136082

- A. Assamese, Its Formation and Development
- B. Studies in Assamese Vocabulary
- C. Introduction to Prakrit
- D. An Introduction to Assamese Phonology
- E. Structure of Assamese

প্রথম প্রকাশৰ চনৰ আধাৰত ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা –

1. A-B-C-D-E
2. B-A-D-E-C
3. C-A-D-E-B
4. D-B-C-A-E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18225]

2[Option ID=18226]

3[Option ID=18227]

4[Option ID=18228]

Sl. No.83

QBID:136083

- A. নকুল চন্দ্ৰ ভূঞ্চাৰ ‘বহাগী’
- B. হেমন্ত কুমাৰ শৰ্মাৰ ‘অসমীয়া লোকগীতি সংগ্ৰহ’
- C. প্ৰফুল্লদত্ত গোৱামীৰ ‘বাৰ মাহৰ তেৰ গীত’
- D. বীৰেণ্দ্ৰনাথ দত্তৰ ‘গোৱালপৰীয়া লোকগীতি সংগ্ৰহ’
- E. লীলা গাঁগৈৰ ‘অসমীয়া লোকগীত’

প্রথম প্রকাশৰ চনৰ আধাৰত ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা –

1. A-C-E-D-B
2. A-E-C-D-B
3. C-A-B-D-E
4. B-C-E-A-D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18229]

2[Option ID=18230]

3[Option ID=18231]

4[Option ID=18232]

Sl. No.84

QBID:136084

- A. নবীনচন্দ্র শর্মাৰ ‘অসমীয়া লোক সংস্কৃতিৰ আভাস’
- B. লীলা গৌগেৰ ‘অসমীয়া লোক সাহিত্যৰ কপৰেখা’
- C. মহেশ্বৰ নেওগৰ ‘অসমীয়া গীতি সাহিত্য’
- D. বিৰিঝি কুমাৰ বৰুৱাৰ ‘অসমৰ লোক সংস্কৃতি’
- E. নিৰ্মলপ্ৰভা বৰদলৈৰ ‘অসমীয়া লোককথিতা’

প্ৰথম প্ৰকাশৰ চনৰ আধাৰত ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা –

1. D-E-C-B-A
2. D-C-E-A-B
3. E-C-D-B-A
4. E-D-C-A-B

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18233]

2[Option ID=18234]

3[Option ID=18235]

4[Option ID=18236]

Sl. No.85

QBID:136085

- A. মুক্তিমঙ্গল ভট্টমা
- B. নাট ভট্টমা
- C. নান্দীশ্বৰুক
- D. সূত্ৰধাৰৰ প্ৰৱেশ
- E. ধেমালি

আঞ্চীয়া নাট প্ৰদৰ্শনৰ ঢাপসমূহ ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা –

1. A-B-C-D-E
2. B-C-D-E-A
3. C-D-E-A-B
4. E-D-C-B-A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18237]

2[Option ID=18238]

3[Option ID=18239]

4[Option ID=18240]

Sl. No.86

QBID:136086

তলত এটা উক্তি (ক) আৰু এটা ঘুষ্টি (খ) দিয়া হৈছে-

উক্তি (ক)- অসমৰ সঞ্চীয়া মূর্তিকলাত ভাগৱত আদি পুৰাগসমূহৰ প্ৰভাৱ আছে।

ঘুষ্টি (খ)- ‘সঞ্চীয়া মূর্তিকলা আৰু পৌৰাণিক সাহিত্য’ জাতীয় বিষয়ত তুলনামূলক সাহিত্যৰ পদ্ধতি প্ৰয়োগ কৰি আধ্যয়ন কৰিব পৰা যায় আৰু প্ৰযোজ্য পদ্ধতিটো হ'ব সম্বন্ধমূলক দ্বন্দ্বাত্মক (DIALECTIC) পদ্ধতি।

তলৰ শুন্দি বিকল্পটো চিনাক্ত কৰাঁ-

1. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি আৰু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা
2. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি কিন্তু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা নহয়
3. (ক) শুন্দি (খ) অশুন্দি
4. (ক) অশুন্দি (খ) শুন্দি

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18241]

2[Option ID=18242]

3[Option ID=18243]

4[Option ID=18244]

Sl. No.87

QBID:136087

তলত এটা উক্তি (ক) আৰু এটা ঘৃত্তি (খ) দিয়া হৈছে-

উক্তি (ক)- অসমীয়া ভাষাৰ নিৰ্দিষ্টাবাচক প্ৰত্যয়বোৰ বিভক্তিমূলক (inflectional)। এইবোৰৰ সংঘাগে নতুন অৰ্থবাচক শব্দ গঠন নকৰে, শব্দটোৱ কপৰ পৰিৱৰ্তন ঘটায়।

ঘৃত্তি (খ)- 'শিক্ষক' শব্দৰ লগত 'জন' সংগ্ৰহটোৱে নিৰ্দিষ্ট এজন শিক্ষকককহে বুজাইছে, শিক্ষক শব্দটোৱ মৌলিক অৰ্থৰ পৰিৱৰ্তন ঘটিছে।

তলৰ শুন্দি বিকল্পটো চিনান্ত কৰাঁ-

1. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি আৰু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা
2. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি কিন্তু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা নহয়
3. (ক) শুন্দি (খ) অশুন্দি
4. (ক) অশুন্দি (খ) শুন্দি

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18245]

2[Option ID=18246]

3[Option ID=18247]

4[Option ID=18248]

Sl. No.88

QBid:136088

তলত এটা উক্তি (ক) আৰু এটা ঘৃত্তি (খ) দিয়া হৈছে-

উক্তি (ক)- দেশী আৰু বিদেশী নানা ভাষাৰ শব্দৰাজি অসমীয়া মান্যভাষাত সোমাই অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰকাশিকা শক্তি বৃদ্ধি কৰিছে।

ঘৃত্তি (খ)- সেইবোৰক গ্ৰহণ কৰাৰ নিচিনা কামৰূপী উপভাষাৰ শব্দ কিছুমানক অসমীয়াত স্থান দিব পাৰি।

তলৰ শুন্দি বিকল্পটো চিনান্ত কৰাঁ-

1. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি আৰু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা
2. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি কিন্তু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা নহয়
3. (ক) শুন্দি (খ) অশুন্দি
4. (ক) অশুন্দি (খ) শুন্দি

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18249]

2[Option ID=18250]

3[Option ID=18251]

4[Option ID=18252]

Sl. No.89

QBid:136089

তলত এটা উক্তি (ক) আৰু এটা ঘৃত্তি (খ) দিয়া হৈছে-

উক্তি (ক)- ৰোমাণ্টিক কবিসকলৰ বিৰুদ্ধে অভিযোগ অনা হয় যে তেওঁলোক পলায়নবাদী, ভাৱ বিলাসী আৰু বাস্তৱিমুখ আছিল।

ঘৃত্তি (খ)- ৰোমাণ্টিক কবিসকলে বাস্তৱ জগতক সমূলি আওকাণ কৰিছিল আৰু কল্পনাৰ মাজতে উটি ভাবি ফুৰিছিল।

তলৰ শুন্দি বিকল্পটো চিনান্ত কৰাঁ-

1. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি আৰু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা
2. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দি কিন্তু (ক) (খ)ৰ শুন্দি ব্যাখ্যা নহয়
3. (ক) শুন্দি (খ) অশুন্দি
4. (ক) অশুন্দি (খ) শুন্দি

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18253]

2[Option ID=18254]

3[Option ID=18255]

4[Option ID=18256]

তলত (ক) আৰু (খ) দুটা উক্তি দিয়া হৈছে-

উক্তি (ক) - ফকৰা-যোজনা বা প্ৰবাদ-প্ৰচণ্ডবিলাক জীৱনৰ দীৰ্ঘতম অভিজ্ঞতাৰ প্ৰকাশ।

উক্তি (খ) - চুটি চুটি বাক্য একোটিতে সাৰগৰ্ভ সত্য বা অভিজ্ঞতা প্ৰকাশ কৰিব পৰা আনন্দ শক্তি এইবোৰত লক্ষ্য কৰা যায়।

তলৰ শুন্দৰ বিকল্পটো চিনান্ত কৰা-

1. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই শুন্দৰ
2. (ক) আৰু (খ) দুয়োটাই অশুন্দৰ
3. (ক) শুন্দৰ (খ) অশুন্দৰ
4. (ক) অশুন্দৰ (খ) শুন্দৰ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18257]

2[Option ID=18258]

3[Option ID=18259]

4[Option ID=18260]

নিম্নোক্ত কথাখনি মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ তলত ১১ৰ পৰা ৭৫লৈ দিয়া প্ৰশ্নকেইটাৰ শুন্দৰ উত্তৰ ১, ২, ৩

আৰু ৪ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱা-

অসমীয়া ভাষাটো মূলতঃ আৰ্য ভাষা। কিন্তু জন্ম-কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটো অসম আৰু অসমৰ আশে-পাশে থকা বিভিন্ন জনজাতীয় বা থলুৱা ভাষাৰ বিবিধ উপাদানেৰে পুষ্টি অসমীয়া আৰু সংস্কৃত ভাষাৰ প্ৰভাৱো জনজাতীয় ভাষাবোৰ ওপৰত নপৰাকে থকা নাই ইপিনে চৰ্যাপদ্বৰ সময়ৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰধান প্ৰাহ দুটায়ো যুদ্ধোক্তৰ যুগৰ আগলৈকে অসমীয়া ভাষাৰ লগত সমানভাৱে সমন্বন্ধ বক্ষা কৰি আহিছো মধ্যযুগীয় অসমীয়া ভাষাৰ সময়ৰ পৰা অসমীয়া ভাষাৰ সমৃদ্ধি বढ়াইছে প্ৰধানকৈ আৰবী-পাৰছী-তুকী-হিন্দী আদি ভাষাৰ শব্দ-সন্তাৱৰ যোগানো আধুনিক অসমীয়াৰ আৰম্ভণি কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ পৰিপুষ্টিত বিশেষভাৱে আৰিহণ যোগাইছে ইংৰাজী আৰু আন ইউৰোপীয় ভাষাৰ শব্দৰাজিৱো। অসমীয়া ভাষাটো অসমৰ উজনি, নামনি আৰু পৰ্বত-ভৈয়ামৰ সকলো অঞ্চলৰে সমন্বয়ৰ এটা ভাষা এই ভাষাটোৱে প্ৰাচীন কালৰ পৰা অসমৰ সামুহিক কাৰ্য-পৰিচালনাৰ বাহনকৈ থাকি অসমৰ আৱেগিক একক্য আৰু সংহতি বক্ষা কৰি আহিছো প্ৰাচীন কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটোৱে বৰাহী-কছুৰী-কমতা-কোচ-আহোম আদি ৰজাসকলৰ পৃষ্ঠাপোষকতাত বিকশিত আৰু পৰিপুষ্ট হৈছো এই ভাষাটো পৰ্বত আৰু ভৈয়ামৰ সকলো লোকৰে আদৰৰ উমেহতীয়া সম্পত্তি। অসম আৰু অসমৰ ওচৰে-পাজৰে থকা থলুৱা ভাষাবোৰ বৈজ্ঞানিক অধ্যয়ন আৰু সেইবোৰ সৈতে গৱেষণাপ্ৰসূত যোগ-সূত্ৰ স্থাপন কৰি যুক্তিযুক্তভাৱে অসমীয়া ভাষাত বৰ্তমানে বিৰাজ কৰা আসেৱাহসমূহ অতিৰালে অসমীয়া ভাষাটোৱে পূৰ্ব-ভাৰতৰ ৰাজ্যসমূহৰ মাজত একমাত্ৰ সাৰ্বজনীন ভাষাৰকৈ সুপ্ৰতিষ্ঠিত হোৱাৰ বিপুল সন্তাৱনা বহন কৰিছো ইতিহাসৰ বিভিন্ন যুগত সমুখীন হোৱা নতুন পৰিস্থিতিবোৰ সৈতে তাল মিলাই আৰু সময়ে সময়ে নতুন নতুন উপাদানক নিজৰ শৰীৰত জীণ নিয়াই অসমীয়া ভাষাটোৱে বিকাশৰ পথত আগ বড় এটা সমৃদ্ধি ভাষাৰকৈ প্ৰতিষ্ঠিত হৈছো অসমীয়া ভাষাটো বিবিধ থলুৱা ভাৰিক উপাদানেৰে যিদৰে পুষ্ট হৈছো বৰ্তমান সময়ৰ অসমীয়া ভাষাটোৱেও থলুৱা ভাষাবোৰ সমৃদ্ধিত বৰঙণি যোগেৱাৰ স্থল আছো অসমীয়া ভাষাৰ ভৱিষ্যতৰ ভেটি সুদৃঢ় কৰাৰ কাৰণে ‘ৰাজনীতিয়ে সৃষ্টি কৰা বিভেদৰ ফলত অসমীয়া ভাষাৰ ওপৰত হোৱা আক্ৰমণ ব্যৰ্থ কৰি আগ্ৰহিতিৰ পথ সুচল কৰিবলৈ ভাষা-সাহিত্যত ভ্ৰতী অসমীয়া পাদুৰি এচাম ওলাৰ লাগিবা। অসমীয়া ভাষাটো “কোনো এখন নগৰ বা এজন বা দুজন বিখ্যাত লোকৰ ভাষা নহয়।” অসমীয়া ভাষা “শদিয়াৰ পৰা মানহ নদীলৈ”। “অসমা সুষমা কামৰূপা, জয়তু জননী ধৰিবী-দুহিতা, কামৰূপা কামদা।”

যুদ্ধোক্তৰ যুগৰ আগলৈকে অসমীয়া ভাষাৰ লগত সমানভাৱে সমন্বন্ধ বক্ষা কৰি অহা অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰধান

প্ৰাহ দুটা হৈছে-

1. আৰ্�য ভাষা আৰু ইংৰাজীকে ধৰি আন ইউৰোপীয় ভাষাৰ প্ৰাহ
2. সংস্কৃত ভাষা আৰু ইংৰাজী, হিন্দী ভাষাৰ প্ৰাহ
3. সংস্কৃত ভাষা আৰু আৰবী-পাৰছী-তুকী-হিন্দী আদি ভাষাৰ প্ৰাহ
4. আৰ্�য ভাষা আৰু অসমৰ থলুৱা জনজাতীয় ভাষাসমূহৰ প্ৰাহ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18261]

2[Option ID=18262]

3[Option ID=18263]

4[Option ID=18264]

নিম্নোক্ত কথাখিনি মনোযোগেরে পঢ়ি তাৰ তলত ১১ৰ পৰা ৭৫লৈ দিয়া প্ৰশ্নকেইটাৰ শুন্দৰ উত্তৰ ১, ২, ৩  
আৰু ৪ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱা

অসমীয়া ভাষাটো মূলতঃ আৰ্য ভাষা। কিন্তু জন্ম-কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটো অসম আৰু অসমৰ আশে-পাশে থকা বিভিন্ন জনজাতীয় বা থলুৱা ভাষাৰ বিবিধ উপাদানেৰে পুষ্টি অসমীয়া আৰু সংস্কৃত ভাষাৰ প্ৰভাৱো জনজাতীয় ভাষাবোৰ ওপৰত নপৰাকে থকা নাই ইপিনে চৰ্যাপদৰ সময়ৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰধান প্ৰৱাহ দুটয়ো ঘুন্দোভৰ যুগৰ আগলৈকে অসমীয়া ভাষাৰ লগত সমানভাৱে সমন্বন্ধ বক্ষা কৰি আহিছো মধ্যযুগীয় অসমীয়া ভাষাৰ সময়ৰ পৰা অসমীয়া ভাষাৰ সমৃদ্ধি বढ়াইছে প্ৰধানকৈ আৰবী-পাৰছী-তুকী-হিন্দী আদি ভাষাৰ শব্দ-সন্তাৱৰ যোগানো আধুনিক অসমীয়াৰ আৰম্ভণি কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ পৰিপুষ্টিত বিশেষভাৱে অৰিহণা যোগাইছে ইংৰাজী আৰু আন ইউৰোপীয় ভাষাৰ শব্দৰাজিয়ো অসমীয়া ভাষাটো অসমৰ উজনি, নামনি আৰু পৰ্বত-ভৈয়ামৰ সকলো অঞ্চলৰে সমন্বয়ৰ এটা ভাষা এই ভাষাটোৱে প্ৰাচীন কালৰ পৰা অসমৰ সামূহিক কাৰ্য-পৰিচালনাৰ বাহনকপে থাকি অসমৰ আৱেগিক ঐক্য আৰু সংহতি বক্ষা কৰি আহিছো প্ৰাচীন কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটোৱে বৰাহী-কছাৰী-কমতা-কোচ-আহোম আদি ৰজাসকলৰ পৃষ্ঠপোষকতাত বিকশিত আৰু পৰিপুষ্ট হৈছে এই ভাষাটো পৰ্বত আৰু ভৈয়ামৰ সকলো লোকৰে আদৰৰ উমেহতীয়া সম্পত্তি। অসম আৰু অসমৰ ওচৰে-পাজৰে থকা থলুৱা ভাষাবোৰ বৈজ্ঞানিক অধ্যয়ন আৰু সেইবোৰ সৈতে গৱেষণাপ্ৰসূত যোগ-সূত্ৰ স্থাপন কৰি যুক্তিযুক্তভাৱে অসমীয়া ভাষাত বৰ্তমানে বিৰাজ কৰা আসোঁৱাহসমূহ অাঁত্বালে অসমীয়া ভাষাটোৱে পূৰ্ব-ভাৱতৰ ৰাজ্যসমূহৰ মাজত একমাত্ৰ সাৰ্বজনীন ভাষাকপে সুপ্ৰতিষ্ঠিত হোৱাৰ বিপুল সন্তাৱনা বহন কৰিছো ইতিহাসৰ বিভিন্ন যুগত সমুখীন হোৱা নতুন পৰিস্থিতিবোৰ সৈতে তাল মিলাই আৰু সময়ে সময়ে নতুন নতুন উপাদানক নিজৰ শৰীৰত জীণ নিয়াই অসমীয়া ভাষাটোৱে বিকাশৰ পথত আগ বঢ়া এটা সমৃদ্ধি ভাষাকপে প্ৰতিষ্ঠিত হৈছে। অসমীয়া ভাষাটো বিবিধ থলুৱা ভাষিক উপাদানেৰে যিদৰে পুষ্ট হৈছে। বৰ্তমান সময়ৰ অসমীয়া ভাষাটোৱেও থলুৱা ভাষাবোৰ সমৃদ্ধিত বৰঙণি যোগোৱাৰ স্থল আছো অসমীয়া ভাষাৰ ভৱিষ্যতৰ ভেটি সুদৃঢ় কৰাৰ কাৰণে ‘ৰাজনীতিয়ে সৃষ্টি কৰা বিভেদৰ ফলত অসমীয়া ভাষাৰ ওপৰত হোৱা আক্ৰমণ ব্যৰ্থ কৰি আগ্ৰহিতিৰ পথ সুচল কৰিবলৈ ভাষা-সাহিত্যত ব্ৰতী অসমীয়া পাদুৰি এচাম ওলাৰ লাগিবা: অসমীয়া ভাষাটো “কোনো এখন নগৰ বা এজন বা দুজন বিখ্যাত লোকৰ ভাষা নহয়়”। অসমীয়া ভাষা “শদিয়াৰ পৰা মানহ নদীলৈ”। ‘অসমা সুষমা কামৰূপা, জয়তু জননী ধৰিবৰী-দুহিতা, কামৰূপা কামদা’।

অসমীয়া ভাষা হৈছে অসমৰ উজনি, নামনি আৰু পৰ্বত-ভৈয়ামৰ সকলো অঞ্চলৰে সমন্বয়ৰ ভাষা। কাৰণ-

- অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰভাৱ অসমৰ পৰ্বত-ভৈয়ামৰ সকলো জনজাতীয় ভাষাৰ ওপৰত পৰিষ্ঠে।
- অসমীয়া ভাষাটোৱে প্ৰাচীন কালৰ পৰা অসমৰ সামূহিক কাৰ্য পৰিচালনাৰ বাহন কপে থাকি অসমৰ আৱেগিক ঐক্য আৰু সংহতি বক্ষা কৰি আহিছো।
- অসমীয়া ভাষাটো পুৰণি অসমৰ বৰাহী-কছাৰী-কমতা-কোচ-আদি ৰজাসকলৰ পৃষ্ঠপোষকতাত বিকশিত হৈছে।
- অসমীয়া ভাষাৰ বিকাশত আৰবী-পাৰছী-তুকী-হিন্দী-ইংৰাজী ভাষাৰ অৰিহণাৰ মাজেৰে হৈছে।

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18265]

2[Option ID=18266]

3[Option ID=18267]

4[Option ID=18268]

## নিম্নোক্ত কথাখিনি মনোযোগেরে পঢ়ি তাৰ তলত ৭১ৰ পৰা ৭৫লৈ দিয়া প্ৰশ্নকেইটাৰ শুন্দৰ উত্তৰ ১, ২, ৩ আৰু ৪ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ

অসমীয়া ভাষাটো মূলতঃ আৰ্য ভাষা। কিন্তু জন্ম-কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটো অসম আৰু অসমৰ আশে-পাশে থকা বিভিন্ন জনজাতীয় বা থলুৱা ভাষাৰ বিবিধ উপাদানেৰে পুষ্টি অসমীয়া আৰু সংস্কৃত ভাষাৰ প্ৰভাৱো জনজাতীয় ভাষাবোৰ ওপৰত নপৰাকে থকা নাহি ইপিনে চৰ্যাপদ্ব সময়ৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰধান প্ৰৱাহ দুটোয়ে যুদ্ধোক্তৰ যুগৰ আগলৈকে অসমীয়া ভাষাৰ লগত সমানভাৱে সমন্বন্ধ বৰক্ষা কৰি আহিছো মধ্যযুগীয় অসমীয়া ভাষাৰ সময়ৰ পৰা অসমীয়া ভাষাৰ সমন্বন্ধি বড়াইছে প্ৰধানকৈ আৰবী-পাৰস্থি-তুকী-হিন্দী আদি ভাষাৰ শব্দ-সন্তাৱৰ যোগানো আধুনিক অসমীয়াৰ আৰম্ভণি কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ পৰিপুষ্টিত বিশেষভাৱে অবিহণা যোগাইছে ইংৰাজী আৰু আন ইউৰোপীয় ভাষাৰ শব্দৰাজিয়ো অসমীয়া ভাষাটো অসমৰ উজনি, নামনি আৰু পৰত-ভৈয়ামৰ সকলো অঞ্চলৰে সমন্বয়ৰ এটা ভাষা। এই ভাষাটোৱে প্ৰাচীন কালৰ পৰা অসমৰ সামুহিক কাৰ্য-পৰিচালনাৰ বাহনৰপে থাকি অসমৰ আৱেগিক এক্য আৰু সংহতি বৰক্ষা কৰি আহিছো প্ৰাচীন কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটোৱে বৰাহী-কছাৰী-কমতা-কোচ-আহোম আদি ৰজাসকলৰ পৃষ্ঠাপোষকতাত বিকশিত আৰু পৰিপুষ্ট হৈছে। এই ভাষাটো পৰ্বত আৰু ভৈয়ামৰ সকলো লোকৰে আদৰৰ উমেহতীয়া সম্পত্তি। অসম আৰু অসমৰ ওচৰে-পাজৰে থকা থলুৱা ভাষাবোৰ বৈজ্ঞানিক অধ্যয়ন আৰু সেইবোৰৰ সৈতে গৱেষণাপ্ৰসূত যোগ-সূত্ৰ স্থাপন কৰি ঘৃত্যুক্তভাৱে অসমীয়া ভাষাত বৰ্তমানে বিৰাজ কৰা আসোঁৱাহসমূহ আঁতৰালে অসমীয়া ভাষাটোৱে পূৰ্ব-ভাৰতৰ ৰাজ্যসমূহৰ মাজত একমাত্ৰ সাৰ্বজনীন ভাষাকপে সুপ্ৰতিষ্ঠিত হোৱাৰ বিপুল সন্তাৱনা বহন কৰিছো ইতিহাসৰ বিভিন্ন যুগত সমূহীন হোৱা নতুন পৰিস্থিতিবোৰৰ সৈতে তাল মিলাই আৰু সময়ে সময়ে নতুন নতুন উপাদানক নিজৰ শৰীৰত জীণ নিয়াই অসমীয়া ভাষাটোৱে বিকাশৰ পথত আগ বড় এটা সমন্বন্ধ ভাষাকপে প্ৰতিষ্ঠিত হৈছে। অসমীয়া ভাষাটো বিবিধ থলুৱা ভাষিক উপাদানেৰে যদিবে পুষ্ট হৈছে বৰ্তমান সময়ৰ অসমীয়া ভাষাটোৱেও থলুৱা ভাষাবোৰ সমন্বন্ধিত বৰঙণি যোগোৱাৰ স্থল আছো অসমীয়া ভাষাৰ ভৱিষ্যতৰ ভেটি সুদৃঢ় কৰাৰ কাৰণে ‘ৰাজনীতিয়ে সৃষ্টি কৰা বিভেদৰ ফলত অসমীয়া ভাষাৰ ওপৰত হোৱা আক্ৰমণ ব্যৰ্থ কৰি আগ্ৰহিতিৰ পথ সুচল কৰিবলৈ ভাষা-সাহিত্যত ব্ৰতি অসমীয়া পাদুৰি এচাম ওলাৰ লাগিবা’ অসমীয়া ভাষাটো ‘কোনো এখন নগৰ বা এজন বা দুজন বিখ্যাত লোকৰ ভাষা নহয়’। অসমীয়া ভাষা ‘শদিয়াৰ পৰা মানহ নদীলৈ’। ‘অসমা সুৱমা কামৰূপা, জয়তু জননী ধৰিত্ৰী-দুহিতা, কামৰূপা কামদা’।

অসমীয়া ভাষাটো পূৰ্ব ভাৰতৰ ৰাজ্যসমূহৰ মাজত একমাত্ৰ সাৰ্বজনীন ভাষাকপে সুপ্ৰতিষ্ঠিত হ'ব পাৰে, যদিহে-

- অসমৰ থলুৱা ভাষাবোৰ বৈজ্ঞানিক অধ্যয়ন, ইবোৰৰ লগত গৱেষণা প্ৰসূত যোগসূত্ৰ স্থাপন আৰু ঘৃত্যুক্তভাৱে অসমীয়া ভাষাৰ বৰ্তমান আসোঁৱাহসমূহ দূৰ কৰিব পাৰে।
- অসমীয়া ভাষাই নতুন নতুন উপাদানবোৰ সময়ে সময়ে নিজৰ শৰীৰত জীণ নিয়াব পাৰে।
- অসমীয়া ভাষাই থলুৱা ভাষাবোৰক পৰিপুষ্ট কৰি তুলিব পাৰে।
- ৰাজনীতিজনিত বিভেদৰ ফলত অসমীয়া ভাষাৰ ওপৰত হোৱা আক্ৰমণ ব্যৰ্থ কৰিব পাৰে।

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18269]

2[Option ID=18270]

3[Option ID=18271]

4[Option ID=18272]

Sl. No.94

QBID:136094

## নিম্নোক্ত কথাখিনি মনোযোগেরে পঢ়ি তাৰ তলত ৭১ৰ পৰা ৭৫লৈ দিয়া প্ৰশ্নকেইটাৰ শুল্ক উত্তৰ ১, ২, ৩ আৰু ৪ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ

অসমীয়া ভাষাটো মূলতঃ আৰ্য ভাষা। কিন্তু জন্ম-কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটো অসম আৰু অসমৰ আশে-পাশে থকা বিভিন্ন জনজাতীয় বা থলুৱা ভাষাৰ বিবিধ উপাদানেৰে পুষ্টি অসমীয়া আৰু সংস্কৃত ভাষাৰ প্ৰভাৱো জনজাতীয় ভাষাবোৰ ওপৰত নপৰাকে থকা নাহি ইপিনে চৰ্যাপদ্ব সময়ৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰধান প্ৰৱাহ দুটোয়ে যুদ্ধোক্তৰ যুগৰ আগলৈকে অসমীয়া ভাষাৰ লগত সমানভাৱে সমন্বন্ধ বৰক্ষা কৰি আহিছো মধ্যযুগীয় অসমীয়া ভাষাৰ সময়ৰ পৰা অসমীয়া ভাষাৰ সমন্বন্ধি বড়াইছে প্ৰধানকৈ আৰবী-পাৰস্থি-তুকী-হিন্দী আদি ভাষাৰ শব্দ-সন্তাৱৰ যোগানো আধুনিক অসমীয়াৰ আৰম্ভণি কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ পৰিপুষ্টিত বিশেষভাৱে অবিহণা যোগাইছে ইংৰাজী আৰু আন ইউৰোপীয় ভাষাৰ শব্দৰাজিয়ো অসমীয়া ভাষাটো অসমৰ উজনি, নামনি আৰু পৰত-ভৈয়ামৰ সকলো অঞ্চলৰে সমন্বয়ৰ এটা ভাষা। এই ভাষাটোৱে প্ৰাচীন কালৰ পৰা অসমৰ সামুহিক কাৰ্য-পৰিচালনাৰ বাহনৰপে থাকি অসমৰ আৱেগিক এক্য আৰু সংহতি বৰক্ষা কৰি আহিছো প্ৰাচীন কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটোৱে বৰাহী-কছাৰী-কমতা-কোচ-আহোম আদি ৰজাসকলৰ পৃষ্ঠাপোষকতাত বিকশিত আৰু পৰিপুষ্ট হৈছে। এই ভাষাটো পৰ্বত আৰু ভৈয়ামৰ সকলো লোকৰে আদৰৰ উমেহতীয়া সম্পত্তি। অসম আৰু অসমৰ ওচৰে-পাজৰে থকা থলুৱা ভাষাবোৰ বৈজ্ঞানিক অধ্যয়ন আৰু সেইবোৰৰ সৈতে গৱেষণাপ্ৰসূত যোগ-সূত্ৰ স্থাপন কৰি ঘৃত্যুক্তভাৱে অসমীয়া ভাষাত বৰ্তমানে বিৰাজ কৰা আসোঁৱাহসমূহ আঁতৰালে অসমীয়া ভাষাটোৱে পূৰ্ব-ভাৰতৰ ৰাজ্যসমূহৰ মাজত একমাত্ৰ সাৰ্বজনীন ভাষাকপে সুপ্ৰতিষ্ঠিত হোৱাৰ বিপুল সন্তাৱনা বহন কৰিছো ইতিহাসৰ বিভিন্ন যুগত সমূহীন হোৱা নতুন পৰিস্থিতিবোৰৰ সৈতে তাল মিলাই আৰু সময়ে সময়ে নতুন নতুন উপাদানক নিজৰ শৰীৰত জীণ নিয়াই অসমীয়া ভাষাটোৱে বিকাশৰ পথত আগ বড় এটা সমন্বন্ধ ভাষাকপে প্ৰতিষ্ঠিত হৈছে। অসমীয়া ভাষাটো বিবিধ থলুৱা ভাষিক উপাদানেৰে যদিবে পুষ্ট হৈছে বৰ্তমান সময়ৰ অসমীয়া ভাষাটোৱেও থলুৱা ভাষাবোৰ সমন্বন্ধিত বৰঙণি যোগেৱাৰ স্থল আছো অসমীয়া ভাষাৰ ভৱিষ্যতৰ ভেটি সুদৃঢ় কৰাৰ কাৰণে ‘ৰাজনীতিয়ে সৃষ্টি কৰা বিভেদৰ ফলত অসমীয়া ভাষাৰ ওপৰত হোৱা আক্ৰমণ ব্যৰ্থ কৰি আগ্ৰহিতিৰ পথ সুচল কৰিবলৈ ভাষা-সাহিত্যত ব্ৰতি অসমীয়া পাদুৰি এচাম ওলাৰ লাগিবা’ অসমীয়া ভাষাটো “কোনো এখন নগৰ বা এজন বা দুজন বিখ্যাত লোকৰ ভাষা নহয়”। অসমীয়া ভাষা “শদিয়াৰ পৰা মানহ নদীলৈ”। “অসমা সুষমা কামৰূপা, জয়তু জননী ধৰিত্ৰী-দুহিতা, কামৰূপা কামদা”।

“অসমীয়া ভাষাৰ ওপৰত হোৱা আক্ৰমণ ব্যৰ্থ কৰি ইয়াৰ আগ্ৰহিতিৰ পথ সুচল কৰিবলৈ ভাষা-সাহিত্যত ব্ৰতি অসমীয়া পাদুৰি এচাম ওলাৰ লাগিবা” এই উক্তিটোৰ তাৎপৰ্য হ'ল,

১. শ্ৰীষ্টান ধৰ্মত দীক্ষিত এচাম অসমীয়া পাদুৰিয়েহে অসমীয়া ভাষাৰ অগ্ৰগতি ঘটাব পাৰিব।
২. অসমীয়া ভাষাৰ অগ্ৰগতিৰ বাবে শ্ৰীষ্টান মিছনেৰীসকল আকোঁ অহা প্ৰয়োজন।
৩. অসমীয়া ভাষাৰ অগ্ৰগতিৰ প্ৰয়োজনত এচাম নতুন শ্ৰীষ্টান পাদুৰিৰ সৃষ্টি কৰিব লাগিব।
৪. শ্ৰীষ্টান মিছনেৰীসকলে অশেষ যত্নেৰে অসমীয়া ভাষা পুনৰ উদ্বাৰ আৰু বিকাশ ঘটোৱাৰ দৰে এই ক্ষেত্ৰত পুনৰ এদল নতুন ভাষা-সাহিত্যসেৱী পৰিশ্ৰমী অসমীয়া ওলাই আহিব লাগিব।

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18273]

2[Option ID=18274]

3[Option ID=18275]

4[Option ID=18276]

Sl. No.95  
QBID:136095

## নিম্নোক্ত কথাখিনি মনোযোগেরে পঢ়ি তাৰ তলত ৭১ৰ পৰা ৭৫লৈ দিয়া প্ৰশ্নকেইটাৰ শুন্দৰ উত্তৰ ১, ২, ৩ আৰু ৪ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ

অসমীয়া ভাষাটো মূলতঃ আৰ্য ভাষা। কিন্তু জন্ম-কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটো অসম আৰু অসমৰ আশে-পাশে থকা বিভিন্ন জনজাতীয় বা থলুৱা ভাষাৰ বিবিধ উপাদানেৰে পুষ্টি অসমীয়া আৰু সংস্কৃত ভাষাৰ প্ৰভাৱো জনজাতীয় ভাষাবোৰ ওপৰত নপৰাকে থকা নাহি। ইপিনে চৰ্যাপদৰ সময়ৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰধান প্ৰাবল্য দুটোয়ো যুদ্ধোক্তৰ যুগৰ আগলৈকে অসমীয়া ভাষাৰ লগত সমানভাৱে সমন্বন্ধ বৰক্ষা কৰি আহিছো মধ্যযুগীয় অসমীয়া ভাষাৰ সময়ৰ পৰা অসমীয়া ভাষাৰ সমন্বন্ধি বড়াইছে প্ৰধানকৈ আৰবী-পাৰস্পৰী-তুকী-হিন্দী আদি ভাষাৰ শব্দ-সম্ভাৱৰ যোগাণো। আধুনিক অসমীয়াৰ আৰম্ভণি কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাৰ পৰিপুষ্টিত বিশেষভাৱে অবিহণা যোগাইছে ইংৰাজী আৰু আন ইউৰোপীয় ভাষাৰ শব্দৰাজিয়ো। অসমীয়া ভাষাটো অসমৰ উজনি, নামনি আৰু পৰত-ভৈয়ামৰ সকলো অঞ্চলৰে সমন্বয়ৰ এটা ভাষা। এই ভাষাটোৱে প্ৰাচীন কালৰ পৰা অসমৰ সামুহিক কাৰ্য-পৰিচালনাৰ বাহনৰপে থাকি অসমৰ আৱেগিক এক্য আৰু সংহতি বৰক্ষা কৰি আহিছো প্ৰাচীন কালৰে পৰা অসমীয়া ভাষাটোৱে বৰাহী-কছাৰী-কমতা-কোচ-আহোম আদি ৰজাসকলৰ পৃষ্ঠপোষকতাত বিকশিত আৰু পৰিপুষ্ট হৈছে। এই ভাষাটো পৰ্বত আৰু ভৈয়ামৰ সকলো লোকৰে আদৰৰ উমেহতীয়া সম্পত্তি। অসম আৰু অসমৰ ওচৰে-পাজৰে থকা থলুৱা ভাষাবোৰ বৈজ্ঞানিক অধ্যয়ন আৰু সেইবোৰৰ সৈতে গৱেষণাপ্ৰসূত যোগ-সূত্ৰ স্থাপন কৰি ঘৃত্যুক্তভাৱে অসমীয়া ভাষাত বৰ্তমানে বিৰাজ কৰা আসোঁৱাহসমূহ আঁতৰালে অসমীয়া ভাষাটোৱে পূৰ্ব-ভাৰতৰ ৰাজ্যসমূহৰ মাজত একমাত্ৰ সাৰ্বজনীন ভাষাকপে সুপ্ৰতিষ্ঠিত হোৱাৰ বিপুল সম্ভাৱনা বহন কৰিছো ইতিহাসৰ বিভিন্ন যুগত সম্মুখীন হোৱা নতুন পৰিস্থিতিবোৰৰ সৈতে তাল মিলাই আৰু সময়ে সময়ে নতুন নতুন উপাদানক নিজৰ শৰীৰত জীণ নিয়াই অসমীয়া ভাষাটোৱে বিকাশৰ পথত আগ বড় এটা সমন্বন্ধ ভাষাকপে প্ৰতিষ্ঠিত হৈছে। অসমীয়া ভাষাটো বিবিধ থলুৱা ভাষিক উপাদানেৰে যিদৰে পুষ্ট হৈছে বৰ্তমান সময়ৰ অসমীয়া ভাষাটোৱেও থলুৱা ভাষাবোৰ সমন্বিত বৰঙণি যোগোৱাৰ স্থল আছো। অসমীয়া ভাষাৰ ভৱিষ্যতৰ ভেটি সুদৃঢ় কৰাৰ কাৰণে ‘ৰাজনীতিয়ে সৃষ্টি কৰা বিভেদৰ ফলত অসমীয়া ভাষাৰ ওপৰত হোৱা আক্ৰমণ ব্যৰ্থ কৰি আগ্ৰহিতিৰ পথ সুচল কৰিবলৈ ভাষা-সাহিত্যত ব্ৰতি অসমীয়া পাদুৰি এচাম ওলাৰ লাগিবা’ অসমীয়া ভাষাটো ‘কোনো এখন নগৰ বা এজন বা দুজন বিখ্যাত লোকৰ ভাষা নহয়’। অসমীয়া ভাষা ‘শদিয়াৰ পৰা মানহ নদীলৈ’। ‘অসমা সুষমা কামৰূপা, জয়তু জননী ধৰিত্ৰী-দুহিতা, কামৰূপা কামদা’।

অসমীয়া ভাষা আৰু অসমৰ থলুৱা ভাষাবোৰ মাজৰ সম্পর্ক আছে কাৰণ-

- অসমীয়া আৰু অসমৰ থলুৱা ভাষাবোৰ মূল আৰ্যভাষা।
- অসমীয়া আৰু অসমৰ থলুৱা ভাষাবোৰক পৃষ্ঠপোষকতা দান কৰিছিল বিভিন্ন জনগোষ্ঠীয় ৰজাসকলে।
- অসমীয়া ভাষাটো অসমৰ থলুৱা ভাষাৰ উপাদানেৰে পুষ্ট হৈছে।
- অসমীয়া আৰু অসমৰ থলুৱা ভাষাবোৰ ওপৰত ৰাজনীতিজনিত আক্ৰমণ জড়িত হৈ আছে।

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18277]

2[Option ID=18278]

3[Option ID=18279]

4[Option ID=18280]

Sl. No.96

QBID:136096

কাৰ্যত আধুনিকতা কি বস্তু সেই প্ৰশ্নৰ উত্তৰ একে আষাৰে দিয়া সহজ নহয়। কিয়নো ‘আধুনিক’ শব্দটোৱেই অনেক সময়ত সময়-সাপেক্ষ  
নহয়; ই কিছুমান বিশেষ লক্ষণৰ দ্বাৰাহে চিহ্নিত আধুনিক ইংৰাজী কবিতাৰ দুই-এজন সংকলকে সেই লক্ষণৰোৰ এনেদৰে বৰ্ণনা কৰিছে-  
Imagery patterned increasingly on everyday speech, absence of inversions, stilted apostrophies, conventional end-rhymes, poetic language  
etc.

Freedom from the ordinary logic of sequence, jumping from one image to the next by association rather than by usual cause-effect  
route.

Emphasis on the ordinary, in reaction against the traditional poetic emphasis on the cosmic.

Concern with the common man almost to the exclusion of the ‘hero’ or extra-ordinary man.

আধুনিক কবিতাৰ বিশেষ লক্ষণসমূহৰ এই সাধাৰণীকৰণ সকলো ক্ষেত্ৰতে প্ৰযোজ্য নহ'লেও মোটামুটিভাৱে এনে লক্ষণক্রান্ত  
কবিতাকে আমি ‘আধুনিক কবিতা’ বুলি ল'ব পাৰোঁ ঐতিহাসিক দৃষ্টিভঙ্গৰীৰে চাৰলৈ গ'লে ‘আধুনিক কবিতা’ৰ প্ৰথম আৰম্ভ হয় ফ্ৰাঙ্সত,  
উন্মেশ শতিকাৰ মাজভাগতা ব'ডলেয়াৰ, বাৰেঁ, আদি তৰণ কবিসকলে ভিক্টৰ হিউগোৰ নৱন্যাসক বুৰ্জোাৰ সভ্যতাৰ আকাব্যিক বস্তুনিষ্ঠাৰ  
বিকল্পে ক্ষীণ প্ৰতিবাদ বুলি নাকচ কৰাৰ লগে লগেই আধুনিক কবিতাৰ ভৰ্ম হয়। আধুনিক কবিতাৰ বেলেগে এটা ধৰাৰ উন্নত হয়  
আমেৰিকাত, বাল্ট হাইটমেনৰ হাততা চন্দ্ৰৰ বাজ্যত বিদ্ৰোহ ঘোষণা কৰি হাইটমেনে কাৰ্যৰ বুৰঞ্জীত এটা নতুন ধাৰাৰ সুচনা কৰো।

‘আধুনিক কবিতা’ৰ সামগ্ৰিক বিচাৰ কৰিবলৈ হ'লে আমি সাম্পত্তিক ইউৰোপৰ দুটা বিশিষ্ট আন্দোলনৰ কথা মনলৈ আনিব লাগিবা তাৰে  
এটা হ'ল – প্ৰতীকবাদী আৰু আনটো হ'ল সাম্যবাদী। কিন্তু যিহেতু ‘আধুনিক কবিতা’ৰ আলোচনা কৰিবলৈ হাতত ল'লেই আধুনিক কবিতাৰ  
দুৰ্বোধ্যতা, অসংলগ্নতা, আংগিকৰ অভিনৱত্ব আদি বহু-বিভিন্ন সমস্যাৰ মাজলৈ আহিব লগা হয়, সেই কাৰণে প্ৰথমেই এই কথা মানি লোৱা  
ভাল যে প্ৰত্যেকটো নতুন যুগৰ অভিজ্ঞতাক প্ৰকাশ কৰিবলৈ নতুন স্থীৰতিৰ প্ৰয়োজন। যোৱা অধিশতাৰী কালৰ বস্তু-বিজ্ঞানৰ বিশ্য়কৰ  
দ্রুত উন্নতি, মনন্তৰ যুগান্তকাৰী আৱিষ্কাৰসমূহ আৰু সমাজ-বিজ্ঞান আৰু ৰাজনীতিৰ ক্ষেত্ৰত মাৰ্কীয় দৰ্শনৰ বিপুল প্ৰভাৱে যি এটা নতুন  
মানসিক বাতারণৰ সৃষ্টি কৰিছে, তাৰ মাজত মানুহৰ চিন্তাই ন ৰূপ নোলোৱাকৈ থাকিব নোৱাৰো। কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো সেয়েহে যি নতুন ৰূপ-  
ৰীতিয়ে প্ৰাধান্য লাভ কৰিছে তাৰ পৰিণতিস্বৰূপে দেখা পাওঁ এহাতে প্ৰতীকবাদ আৰু আনহাতে সাম্যবাদী কবিতাৰ দ্রুত বিকাশ।

.... বিদেশী বা ঘাইকে ইংৰাজী সাহিত্যৰ আন্দোলনৰ টোৰ স্পৰ্শ লাগিয়েই যে যোৱা এটা শতাৰ্বীৰ অসমীয়া সাহিত্যৰ পশ্চাত্ভূমি ৰচিত  
হৈছে সেই কথা ঐতিহাসিক সত্য। ‘আধুনিক অসমীয়া কবিতা’ বুলিলেও আমি যি বুজো সি ষেল অনাই পশ্চিমীয়া প্ৰভাৱৰ ফল। গতিকে  
আধুনিক কবিতাৰ যিবিলাক বিভিন্ন ধাৰা, লক্ষণ আৰু ৰূপ-ৰীতি ওপৰত আলোচনা কৰা হ'ল, সেইবোৰ যে অসমীয়া কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো  
প্ৰযোজ্য সেই কথা কোৱা বাহ্যল্য মাথেন।

‘Emphasis on the ordinary, in reaction against the traditional poetic emphasis on the cosmic’ -এই কথাখিনি  
হৈছে,

1. ‘আধুনিকতা’ সম্পর্কে এটি সমালোচনাত্মক দৃষ্টিভঙ্গী
2. আধুনিক ইংৰাজী কবিতাৰ কেইজনমান সংকলক
3. আধুনিক ইংৰাজী কবিতাৰ লক্ষণসমূহৰ এটি সাধাৰণীকৰণ
4. ব'ডলেয়াৰৰ কবিতাৰ এটি বিখ্যাত পংক্তি

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18281]

2[Option ID=18282]

3[Option ID=18283]

4[Option ID=18284]

Sl. No.97  
QBID:136097

## নিম্নোক্ত কথাখিনি মনোযোগেরে পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া ৭৬ৰ পৰা ১০০লৈ প্ৰশ্নকেইটাৰ শুন্দি উত্তৰ ১, ২, ৩ আৰু ৪ ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ

কাৰ্যত আধুনিকতা কি বস্তু সেই প্ৰশ্নৰ উত্তৰ একে আষাৰে দিয়া সহজ নহয়। কিয়নো ‘আধুনিক’ শব্দটোৱেই অনেক সময়ত সময়-সাপেক্ষ নহয়; ই কিছুমান বিশেষ লক্ষণৰ দ্বাৰাহে চিহ্নিত আধুনিক ইংৰাজী কবিতাৰ দুই-এজন সংকলকে সেই লক্ষণৰোৰ এনেদৰে বৰ্ণনা কৰিছে। Imagery patterned increasingly on everyday speech, absence of inversions, stilted apostrophies, conventional end-rhymes, poetic language etc.

Freedom from the ordinary logic of sequence, jumping from one image to the next by association rather than by usual cause-effect route.

Emphasis on the ordinary, in reaction against the traditional poetic emphasis on the cosmic.

Concern with the common man almost to the exclusion of the ‘hero’ or extra-ordinary man.

আধুনিক কবিতাৰ বিশেষ লক্ষণসমূহৰ এই সাধাৰণীকৰণ সকলো ক্ষেত্ৰতে প্ৰযোজ্য নহ'লেও মোটামুটিভাৱে এনে লক্ষণক্রান্ত কবিতাকে আমি ‘আধুনিক কবিতা’ বুলি ল'ব পাৰোঁ। ঐতিহাসিক দৃষ্টিভঙ্গৰীৰে চাৰলৈ গ'লে ‘আধুনিক কবিতা’ৰ প্ৰথম আৰম্ভ হয় ফ্ৰান্সত, উনৈশ শতিকাৰ মাজভাগতা ব'ডলেয়াৰ, বাৰেঁ, আদি তৰণ কবিসকলে ভিক্টৰ হিউগোৰ নৱন্যাসক বুৰ্জোাৰ সভ্যতাৰ আকাব্যিক বস্তুনিষ্ঠাৰ বিকল্পে ক্ষীণ প্ৰতিবাদ বুলি নাকচ কৰাৰ লগে লগেই আধুনিক কবিতাৰ জন্ম হয়। আধুনিক কবিতাৰ বেলেগে এটা ধাৰাৰ উন্নত হয় আমেৰিকাত, বাল্ট হাইটমেনৰ হাততা চন্দ্ৰৰ বাজ্যত বিদ্ৰোহ ঘোষণা কৰি হাইটমেনে কাৰ্যৰ বুৰঞ্জীত এটা নতুন ধাৰাৰ সুচনা কৰো।

‘আধুনিক কবিতা’ৰ সামগ্ৰিক বিচাৰ কৰিবলৈ হ'লে আমি সাম্প্ৰতিক ইউৰোপৰ দুটা বিশিষ্ট আন্দোলনৰ কথা মনলৈ আনিব লাগিবা তাৰে এটা হ'ল – প্ৰতীকবাদী আৰু আনটো হ'ল সাম্যবাদী। কিন্তু যিহেতু ‘আধুনিক কবিতা’ৰ আলোচনা কৰিবলৈ হাতত ল'লেই আধুনিক কবিতাৰ দুৰ্বোধ্যতা, অসংলগ্নতা, আংগিকৰ অভিনৱত্ব আদি বহু-বিভিন্ন সমস্যাৰ মাজলৈ আহিব লগা হয়, সেই কাৰণে প্ৰথমেই এই কথা মানি লোৱা ভাল যে প্ৰত্যেকটো নতুন যুগৰ অভিজ্ঞতাক প্ৰকাশ কৰিবলৈ নতুন স্থীৰতিৰ প্ৰয়োজন। যোৱা অধিশতাৰী কালৰ বস্তু-বিজ্ঞানৰ বিশ্বযুকৰ দ্রুত উন্নতি, মনস্তত্ত্বৰ যুগান্তকাৰী আৱিষ্কাৰসমূহ আৰু সমাজ-বিজ্ঞান আৰু ৰাজনীতিৰ ক্ষেত্ৰত মাৰ্কীয় দৰ্শনৰ বিপুল প্ৰভাৱে যি এটা নতুন মানসিক বাতারণৰ সৃষ্টি কৰিছে, তাৰ মাজত মানহৰ চিন্তাই ন কৃপ নোলোৱাকৈ থাকিব নোৱাৰো। কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো সেয়েহে যি নতুন ৰূপ-ৰীতিয়ে প্ৰাধান্য লাভ কৰিছে তাৰ পৰিণতিস্বৰূপে দেখা পাওঁ এহাতে প্ৰতীকবাদ আৰু আনহাতে সাম্যবাদী কবিতাৰ দ্রুত বিকাশ।

.... বিদেশী বা ঘাইকে ইংৰাজী সাহিত্যৰ আন্দোলনৰ টোৰ স্পৰ্শ লাগিয়েই যে যোৱা এটা শতাৰ্বীৰ অসমীয়া সাহিত্যৰ পশ্চাত্ভূমি ৰচিত হৈছে সেই কথা ঐতিহাসিক সত্য। ‘আধুনিক অসমীয়া কবিতা’ বুলিলেও আমি যি বুজো সি ষোল অনাই পশ্চিমীয়া প্ৰভাৱৰ ফল। গতিকে আধুনিক কবিতাৰ যিবিলাক বিভিন্ন ধাৰা, লক্ষণ আৰু ৰূপ-ৰীতি ওপৰত আলোচনা কৰা হ'ল, সেইবোৰ যে অসমীয়া কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো প্ৰযোজ্য সেই কথা কোৱা বাহ্যল্য মাথোন।

উনৈশ শতিকাৰ মাজভাগত ফ্ৰান্সতেই কবিতাৰ জন্ম হয় বুলি কোৱাৰ যুক্তি হ'ল-

১. ফ্ৰান্স হৈছে ব'ডলেয়াৰ, বাৰেঁ আদিৰ কৰিব জন্মভূমি
২. ভিক্টৰ হিউগো আছিল উনৈশ শতিকাৰ আৰু ফ্ৰান্সৰ আধুনিক কবিতাৰ অগ্ৰণী কবি
৩. উনৈশ শতিকাৰ মাজভাগত হিউগোৰ নৱন্যাসবাদক নাকচ কৰি ব'ডলেয়াৰ, বাৰেঁ আদিয়ে ফ্ৰান্সত আধুনিক কবিতাৰ জন্ম দিয়ে
৪. উনৈশ শতিকাৰ মাজভাগতেই ফ্ৰান্সত নৱন্যাসবাদৰ জোৱাৰ মাজতে আধুনিক কবিতাৰ জন্ম হয়

(1) ১

(2) ২

(3) ৩

(4) ৪

1[Option ID=18285]

2[Option ID=18286]

3[Option ID=18287]

4[Option ID=18288]

Sl. No.98

QBID:136098

কাৰ্যত আধুনিকতা কি বস্তু সেই প্ৰশ্নৰ উত্তৰ একে আষাৰে দিয়া সহজ নহয়। কিয়নো ‘আধুনিক’ শব্দটোৱেই অনেক সময়ত সময়-সাপেক্ষ  
নহয়; ই কিছুমান বিশেষ লক্ষণৰ দ্বাৰাহে চিহ্নিত আধুনিক ইংৰাজী কবিতাৰ দুই-এজন সংকলকে সেই লক্ষণৰোৰ এনেদৰে বৰ্ণনা কৰিছে-  
Imagery patterned increasingly on everyday speech, absence of inversions, stilted apostrophies, conventional end-rhymes, poetic language  
etc.

Freedom from the ordinary logic of sequence, jumping from one image to the next by association rather than by usual cause-effect  
route.

Emphasis on the ordinary, in reaction against the traditional poetic emphasis on the cosmic.

Concern with the common man almost to the exclusion of the ‘hero’ or extra-ordinary man.

আধুনিক কবিতাৰ বিশেষ লক্ষণসমূহৰ এই সাধাৰণীকৰণ সকলো ক্ষেত্ৰতে প্ৰযোজ্য নহ'লেও মোটামুটিভাৱে এনে লক্ষণক্রান্ত  
কবিতাকে আমি ‘আধুনিক কবিতা’ বুলি ল'ব পাৰোঁ ঐতিহাসিক দৃষ্টিভঙ্গৰীৰে চাৰলৈ গ'লে ‘আধুনিক কবিতা’ৰ প্ৰথম আৰম্ভ হয় ফ্ৰাঙ্সত,  
উন্মেশ শতিকাৰ মাজভাগতা ব'ডলেয়াৰ, বাৰেঁ, আদি তৰণ কবিসকলে ভিক্টৰ হিউগোৰ নৱন্যাসক বুৰ্জোাৰ সভ্যতাৰ আকাব্যিক বস্তুনিষ্ঠাৰ  
বিকল্পে ক্ষীণ প্ৰতিবাদ বুলি নাকচ কৰাৰ লগে লগেই আধুনিক কবিতাৰ ভৰ্ম হয়। আধুনিক কবিতাৰ বেলেগে এটা ধাৰাৰ উন্নৰ হয়  
আমেৰিকাত, বাল্ট হাইটমেনৰ হাততা চন্দ্ৰৰ বাজ্যত বিদ্ৰোহ ঘোষণা কৰি হাইটমেনে কাৰ্যৰ বুৰঞ্জীত এটা নতুন ধাৰাৰ সুচনা কৰো।

‘আধুনিক কবিতা’ৰ সামগ্ৰিক বিচাৰ কৰিবলৈ হ'লে আমি সাম্প্ৰতিক ইউৰোপৰ দুটা বিশিষ্ট আন্দোলনৰ কথা মনলৈ আনিব লাগিবা তাৰে  
এটা হ'ল – প্ৰতীকবাদী আৰু আনটো হ'ল সাম্যবাদী। কিন্তু যিহেতু ‘আধুনিক কবিতা’ৰ আলোচনা কৰিবলৈ হাতত ল'লেই আধুনিক কবিতাৰ  
দুৰ্বোধ্যতা, অসংলগ্নতা, আংগিকৰ অভিনৱত্ব আদি বহু-বিভিন্ন সমস্যাৰ মাজলৈ আহিব লগা হয়, সেই কাৰণে প্ৰথমেই এই কথা মানি লোৱা  
ভাল যে প্ৰত্যেকটো নতুন যুগৰ অভিজ্ঞতাক প্ৰকাশ কৰিবলৈ নতুন স্বীকৃতিৰ প্ৰয়োজন। যোৱা অধিশতাৰীৰ কালৰ বস্তু-বিজ্ঞানৰ বিশ্বযুকৰ  
দ্রুত উন্নতি, মনন্তৰ যুগান্তকাৰী আৱিষ্কাৰসমূহ আৰু সমাজ-বিজ্ঞান আৰু ৰাজনীতিৰ ক্ষেত্ৰত মাৰ্কীয় দৰ্শনৰ বিপুল প্ৰভাৱে যি এটা নতুন  
মানসিক বাতারণৰ সৃষ্টি কৰিছে, তাৰ মাজত মানুহৰ চিন্তাই ন ৰূপ নোলোৱাকৈ থাকিব নোৱাৰো। কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো সেয়েহে যি নতুন ৰূপ-  
ৰীতিয়ে প্ৰাধান্য লাভ কৰিছে তাৰ পৰিণতিস্বৰূপে দেখা পাওঁ এহাতে প্ৰতীকবাদ আৰু আনহাতে সাম্যবাদী কবিতাৰ দ্রুত বিকাশ।

.... বিদেশী বা ঘাইকে ইংৰাজী সাহিত্যৰ আন্দোলনৰ টোৰ স্পৰ্শ লাগিয়েই যে যোৱা এটা শতাৰ্বীৰ অসমীয়া সাহিত্যৰ পশ্চাত্ভূমি ৰচিত  
হৈছে সেই কথা ঐতিহাসিক সত্য। ‘আধুনিক অসমীয়া কবিতা’ বুলিলেও আমি যি বুজো সি ষোল অনাই পশ্চিমীয়া প্ৰভাৱৰ ফল। গতিকে  
আধুনিক কবিতাৰ যিবিলাক বিভিন্ন ধাৰা, লক্ষণ আৰু ৰূপ-ৰীতি ওপৰত আলোচনা কৰা হ'ল, সেইবোৰ যে অসমীয়া কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো  
প্ৰযোজ্য সেই কথা কোৱা বাহ্যল্য মাথেন।

প্ৰতীকবাদ আৰু সাম্যবাদী কবিতাৰ দ্রুত বিকাশ ঘটাৰ মূল কাৰণ হ'ল-

1. কবিতাক আংগিকৰ অভিনৱত্বে দুৰ্বোধ্য কৰি তোলাৰ প্ৰয়োজন হোৱাত
2. কবিতাৰ বিকাশত নব্য স্বীকৃতিৰ প্ৰয়োজন হোৱাত
3. সাম্প্ৰতিক বস্তু বিজ্ঞান, সমাজ বিজ্ঞান, মনন্তৰ আৰু মাৰ্কীয় দৰ্শনৰ প্ৰভাৱ পৰা
4. নতুন ৰূপ-ৰীতি আৰু স্বীকৃতিৰ সাল-সলনি ঘটোৱা

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18289]

2[Option ID=18290]

3[Option ID=18291]

4[Option ID=18292]

Sl. No.99

QBID:136099

## নিম্নোক্ত কথাখিনি মনোযোগেরে পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া ৭৬ৰ পৰা ১০০লৈ প্ৰশ্নকেইটাৰ শুন্দি উত্তৰ ১, ২, ৩ আৰু ৪ ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ

কাৰ্যত আধুনিকতা কি বস্তু সেই প্ৰশ্নৰ উত্তৰ একে আষাৰে দিয়া সহজ নহয়। কিয়নো ‘আধুনিক’ শব্দটোৱেই অনেক সময়ত সময়-সাপেক্ষ নহয়; ই কিছুমান বিশেষ লক্ষণৰ দ্বাৰাহে চিহ্নিত আধুনিক ইংৰাজী কবিতাৰ দুই-এজন সংকলকে সেই লক্ষণৰোৰ এনেদৰে বৰ্ণনা কৰিছে। Imagery patterned increasingly on everyday speech, absence of inversions, stilted apostrophies, conventional end-rhymes, poetic language etc.

Freedom from the ordinary logic of sequence, jumping from one image to the next by association rather than by usual cause-effect route.

Emphasis on the ordinary, in reaction against the traditional poetic emphasis on the cosmic.

Concern with the common man almost to the exclusion of the ‘hero’ or extra-ordinary man.

আধুনিক কবিতাৰ বিশেষ লক্ষণসমূহৰ এই সাধাৰণীকৰণ সকলো ক্ষেত্ৰতে প্ৰযোজ্য নহ'লেও মোটামুটিভাৱে এনে লক্ষণক্রান্ত কবিতাকে আমি ‘আধুনিক কবিতা’ বুলি ল'ব পাৰোঁ। ঐতিহাসিক দৃষ্টিভঙ্গৰীৰে চাৰলৈ গ'লে ‘আধুনিক কবিতা’ৰ প্ৰথম আৰম্ভ হয় ফ্ৰাঙ্সত, উন্মেশ শতিকাৰ মাজভাগতা ব'ডলেয়াৰ, বাৰেঁ, আদি তৰণ কবিসকলে ভিক্টোৱ হিউগোৰ নৱন্যাসক বুৰ্জোাৰ সভ্যতাৰ আকাব্যিক বস্তুনিষ্ঠাৰ বিকল্পে ক্ষীণ প্ৰতিবাদ বুলি নাকচ কৰাৰ লগে লগেই আধুনিক কবিতাৰ জন্ম হয়। আধুনিক কবিতাৰ বেলেগে এটা ধাৰাৰ উন্নত হয় আমেৰিকাত, বাল্ট ইউটমেনৰ হাততা চন্দ্ৰৰ বাজ্যত বিদ্ৰোহ ঘোষণা কৰি ইউটমেনে কাৰ্যৰ বুৰঞ্জীত এটা নতুন ধাৰাৰ সুচনা কৰো।

‘আধুনিক কবিতা’ৰ সামগ্ৰিক বিচাৰ কৰিবলৈ হ'লে আমি সাম্প্ৰতিক ইউৰোপৰ দুটা বিশিষ্ট আন্দোলনৰ কথা মনলৈ আনিব লাগিবা তাৰে এটা হ'ল – প্ৰতীকবাদী আৰু আনটো হ'ল সাম্যবাদী। কিন্তু যিহেতু ‘আধুনিক কবিতা’ৰ আলোচনা কৰিবলৈ হাতত ল'লেই আধুনিক কবিতাৰ দুৰ্বোধ্যতা, অসংলগ্নতা, আংগিকৰ অভিনৱত্ব আদি বহু-বিভিন্ন সমস্যাৰ মাজলৈ আহিব লগা হয়, সেই কাৰণে প্ৰথমেই এই কথা মানি লোৱা ভাল যে প্ৰত্যেকটো নতুন যুগৰ অভিজ্ঞতাক প্ৰকাশ কৰিবলৈ নতুন স্থীৰতিৰ প্ৰয়োজন। যোৱা অধিশতাৰী কালৰ বস্তু-বিজ্ঞানৰ বিশ্য়কৰ দ্রুত উন্নতি, মনন্তৰ যুগান্তকাৰী আৱিষ্কাৰসমূহ আৰু সমাজ-বিজ্ঞান আৰু ৰাজনীতিৰ ক্ষেত্ৰত মাৰ্কীয় দৰ্শনৰ বিপুল প্ৰভাৱে যি এটা নতুন মানসিক বাতারণৰ সৃষ্টি কৰিছে, তাৰ মাজত মানুহৰ চিন্তাই ন ৰূপ নোলোৱাকৈ থাকিব নোৱাৰো। কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতে সেয়েহে যি নতুন ৰূপ-ৰীতিয়ে প্ৰাধান্য লাভ কৰিছে তাৰ পৰিণতিস্বৰূপে দেখা পাওঁ এহাতে প্ৰতীকবাদ আৰু আনহাতে সাম্যবাদী কবিতাৰ দ্রুত বিকাশ।

.... বিদেশী বা ঘাইকে ইংৰাজী সাহিত্যৰ আন্দোলনৰ টোৰ স্পৰ্শ লাগিয়েই যে যোৱা এটা শতাৰ্বীৰ অসমীয়া সাহিত্যৰ পশ্চাত্ভূমি ৰচিত হৈছে সেই কথা ঐতিহাসিক সত্য। ‘আধুনিক অসমীয়া কবিতা’ বুলিলেও আমি যি বুজো সি ষোল অনাই পশ্চিমীয়া প্ৰভাৱৰ ফল। গতিকে আধুনিক কবিতাৰ যিবিলাক বিভিন্ন ধাৰা, লক্ষণ আৰু ৰূপ-ৰীতি ওপৰত আলোচনা কৰা হ'ল, সেইবোৰ যে অসমীয়া কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো প্ৰযোজ্য সেই কথা কোৱা বাহ্যল্য মাথোন।

আধুনিক অসমীয়া কবিতাৰ পশ্চাত্ভূমিত আছে-

1. আমেৰিকান কবি বাল্ট ইউটমেনৰ কবিতাৰ প্ৰভাৱ
2. বিদেশী, বিশেষকৈ ইংৰাজী সাহিত্যৰ আন্দোলনৰ টোৰ প্ৰভাৱ
3. ইউৰোপৰ প্ৰতীকবাদী আৰু সাম্যবাদী চিন্তাবিদৰ প্ৰভাৱ
4. বস্তু-বিজ্ঞানৰ প্ৰভাৱ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18293]

2[Option ID=18294]

3[Option ID=18295]

4[Option ID=18296]

Sl. No.100

QBID:136100

## নিম্নোক্ত কথাখিনি মনোযোগেরে পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া ৭৬ৰ পৰা ১০০লৈ প্ৰশ্নকেইটাৰ শুন্দি উত্তৰ ১, ২, ৩ আৰু ৪ ৰ বিকল্পকেইটাৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ

কাৰ্যত আধুনিকতা কি বস্তু সেই প্ৰশ্নৰ উত্তৰ একে আষাৰে দিয়া সহজ নহয়। কিয়নো ‘আধুনিক’ শব্দটোৱেই অনেক সময়ত সময়-সাপেক্ষ নহয়; ই কিছুমান বিশেষ লক্ষণৰ দ্বাৰাহে চিহ্নিত আধুনিক ইংৰাজী কবিতাৰ দুই-এজন সংকলকে সেই লক্ষণৰোৰ এনেদৰে বৰ্ণনা কৰিছে। Imagery patterned increasingly on everyday speech, absence of inversions, stilted apostrophies, conventional end-rhymes, poetic language etc.

Freedom from the ordinary logic of sequence, jumping from one image to the next by association rather than by usual cause-effect route.

Emphasis on the ordinary, in reaction against the traditional poetic emphasis on the cosmic.

Concern with the common man almost to the exclusion of the ‘hero’ or extra-ordinary man.

আধুনিক কবিতাৰ বিশেষ লক্ষণসমূহৰ এই সাধাৰণীকৰণ সকলো ক্ষেত্ৰতে প্ৰযোজ্য নহ'লেও মোটামুটিভাৱে এনে লক্ষণক্রান্ত কবিতাকে আমি ‘আধুনিক কবিতা’ বুলি ল'ব পাৰোঁ। ঐতিহাসিক দৃষ্টিভঙ্গৰীৰে চাৰলৈ গ'লে ‘আধুনিক কবিতা’ৰ প্ৰথম আৰম্ভ হয় ফ্ৰান্সত, উন্নেশ শতকাৰ মাজভাগতা ব'ডলেয়াৰ, বাৰেঁ, আদি তৰণ কবিসকলে ভিক্টৰ হিউগোৰ নৱন্যাসক বুৰ্জোাৰ সভ্যতাৰ আকাব্যিক বস্তুনিষ্ঠাৰ বিকল্পে ক্ষীণ প্ৰতিবাদ বুলি নাকচ কৰাৰ লগে লগেই আধুনিক কবিতাৰ জন্ম হয়। আধুনিক কবিতাৰ বেলেগে এটা ধাৰাৰ উন্নৰ হয় আমেৰিকাত, রাল্ট হুইটমেনৰ হাততা চন্দ্ৰৰ বাজ্যত বিদ্ৰোহ ঘোষণা কৰি হুইটমেনে কাৰ্যৰ বুৰঞ্জীত এটা নতুন ধাৰাৰ সুচনা কৰো।

‘আধুনিক কবিতা’ৰ সামগ্ৰিক বিচাৰ কৰিবলৈ হ'লে আমি সাম্প্ৰতিক ইউৰোপৰ দুটা বিশিষ্ট আন্দোলনৰ কথা মনলৈ আনিব লাগিবা তাৰে এটা হ'ল – প্ৰতীকবাদী আৰু আনটো হ'ল সাম্যবাদী। কিন্তু যিহেতু ‘আধুনিক কবিতা’ৰ আলোচনা কৰিবলৈ হাতত ল'লেই আধুনিক কবিতাৰ দুৰ্বোধ্যতা, অসংলগ্নতা, আংগিকৰ অভিনৱত্ব আদি বহু-বিভিন্ন সমস্যাৰ মাজলৈ আহিব লগা হয়, সেই কাৰণে প্ৰথমেই এই কথা মানি লোৱা ভাল যে প্ৰত্যেকটো নতুন যুগৰ অভিজ্ঞতাক প্ৰকাশ কৰিবলৈ নতুন স্থীৰতিৰ প্ৰয়োজন। যোৱা অধিশতাৰী কালৰ বস্তু-বিজ্ঞানৰ বিশ্য়কৰ দ্রুত উন্নতি, মনস্তত্ত্বৰ যুগান্তকাৰী আৱিষ্কাৰসমূহ আৰু সমাজ-বিজ্ঞান আৰু ৰাজনীতিৰ ক্ষেত্ৰত মাৰ্কীয় দৰ্শনৰ বিপুল প্ৰভাৱে যি এটা নতুন মানসিক বাতারণৰ সৃষ্টি কৰিছে, তাৰ মাজত মানুহৰ চিন্তাই ন ৰূপ নোলোৱাকৈ থাকিব নোৱাৰো। কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতে সেয়েহে যি নতুন ৰূপ-ৰীতিয়ে প্ৰাধান্য লাভ কৰিছে তাৰ পৰিণতিস্বৰূপে দেখা পাওঁ এহাতে প্ৰতীকবাদ আৰু আনহাতে সাম্যবাদী কবিতাৰ দ্রুত বিকাশ।

.... বিদেশী বা ঘাইকে ইংৰাজী সাহিত্যৰ আন্দোলনৰ টোৰ স্পৰ্শ লাগিয়েই যে যোৱা এটা শতাৰ্বীৰ অসমীয়া সাহিত্যৰ পশ্চাত্ভূমি ৰচিত হৈছে সেই কথা ঐতিহাসিক সত্য। ‘আধুনিক অসমীয়া কবিতা’ বুলিলেও আমি যি বুজো সি ষোল অনাই পশ্চিমীয়া প্ৰভাৱৰ ফল। গতিকে আধুনিক কবিতাৰ যিবিলাক বিভিন্ন ধাৰা, লক্ষণ আৰু ৰূপ-ৰীতি ওপৰত আলোচনা কৰা হ'ল, সেইবোৰ যে অসমীয়া কবিতাৰ ক্ষেত্ৰতো প্ৰযোজ্য সেই কথা কোৱা বাহুল্য মাথেন।

আধুনিক কবিতাৰ ক্ষেত্ৰত দেখা পোৱা প্ৰধান দুই ধাৰা হৈছে-

1. প্ৰতীকবাদী আৰু সাম্যবাদী কবিতাৰ ধাৰা
2. ব'ডলেয়াৰ, বাঁবো আৰু ভিক্টৰ হিউগোৰ কবিতাৰ ধাৰা
3. ফ্ৰান্স আৰু আমেৰিকান কবিতাৰ ধাৰা
4. রাল্ট হুইটমেন আৰু মাৰ্কীয় কবিতাৰ ধাৰা

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=18297]

2[Option ID=18298]

3[Option ID=18299]

4[Option ID=18300]

Sl. No.101

QBID:9201001

The following table shows the percentage (%) distribution of IT-related job vacancies in seven Indian cities, namely, Bangalore, Delhi, Hyderabad, Pune, Chennai, Mumbai and Calcutta during the years 2010 and 2020. Total number of vacancies in these cities in the years 2010 and 2020 are 5.4 lakh and 8.6 lakhs, respectively. Based on the data in the table, answer the question

#### City-wise Distribution of Job Vacancies.

City	Distribution (%) of Job Vacancies	
	2010	2020
Bangalore	15%	22%
Delhi	21%	20%
Hyderabad	10%	8%
Pune	12%	6%
Chennai	8%	10%
Mumbai	10%	18%
Calcutta	24%	16%

निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2010 और 2020 के दौरान सात भारतीय शहरों नामतः बंगलोर, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुम्बई और कोलकाता में आईटी से संबंधित नौकरियों में रिक्तियों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। वर्ष 2010 और 2020 के दौरान इन शहरों में रिक्तियों की कुल संख्या क्रमशः 5.4 लाख और 8.6 लाख हैं। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए :

#### नौकरियों की रिक्तियों का शहरवार वितरण

शहर	नौकरियों की रिक्तियों का वितरण (%)	
	2010	2020
बंगलोर	15%	22%
दिल्ली	21%	20%
हैदराबाद	10%	8%
पुणे	12%	6%
चेन्नई	8%	10%
मुम्बई	10%	18%
कोलकाता	24%	16%

What is the difference between the number of job vacancies available in Bangalore in the years 2020 and 2010 ?

1. 108200
2. 113120
3. 118400
4. 96400

- (1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

वर्ष 2020 और 2010 में बैंगलोर में उपलब्ध नौकरियों की रिक्तियों की संख्या में अंतर कितना है ?

1. 108200
2. 113120
3. 118400
4. 96400

- (1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

1[Option ID=19501]  
 2[Option ID=19502]  
 3[Option ID=19503]  
 4[Option ID=19504]

Sl. No.102  
 QBID:9201002

The following table shows the percentage (%) distribution of IT-related job vacancies in seven Indian cities, namely, Bangalore, Delhi, Hyderabad, Pune, Chennai, Mumbai and Calcutta during the years 2010 and 2020. Total number of vacancies in these cities in the years 2010 and 2020 are 5.4 lakh and 8.6 lakhs, respectively. Based on the data in the table, answer the question

#### City-wise Distribution of Job Vacancies.

City	Distribution (%) of Job Vacancies	
	2010	2020
Bangalore	15%	22%
Delhi	21%	20%
Hyderabad	10%	8%
Pune	12%	6%
Chennai	8%	10%
Mumbai	10%	18%
Calcutta	24%	16%

निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2010 और 2020 के दौरान सात भारतीय शहरों नामतः बंगलोर, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुम्बई और कोलकाता में आईटी से संबंधित नौकरियों में रिक्तियों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। वर्ष 2010 और 2020 के दौरान इन शहरों में रिक्तियों की कुल संख्या क्रमशः 5.4 लाख और 8.6 लाख हैं। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए :

नौकरियों की रिक्तियों का शहरवार वितरण

शहर	नौकरियों की रिक्तियों का वितरण (%)	
	2010	2020
बंगलोर	15%	22%
दिल्ली	21%	20%
हैदराबाद	10%	8%
पुणे	12%	6%
चेन्नई	8%	10%
मुम्बई	10%	18%
कोलकाता	24%	16%

What is the average of number of job vacancies available in Hyderabad in the years 2020 and 2010 ?

- 1. 41080
- 2. 42740
- 3. 61400
- 4. 62800

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

वर्ष 2020 और 2010 में हैदराबाद में उपलब्ध नौकरियों की रिक्तियों की औसत संख्या कितनी है ?

- 1. 41080
- 2. 42740
- 3. 61400
- 4. 62800

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=19505]  
2[Option ID=19506]  
3[Option ID=19507]  
4[Option ID=19508]

SI. No.103  
QBID:9201003

The following table shows the percentage (%) distribution of IT-related job vacancies in seven Indian cities, namely, Bangalore, Delhi, Hyderabad, Pune, Chennai, Mumbai and Calcutta during the years 2010 and 2020. Total number of vacancies in these cities in the years 2010 and 2020 are 5.4 lakh and 8.6 lakhs, respectively. Based on the data in the table, answer the question

#### City-wise Distribution of Job Vacancies.

City	Distribution (%) of Job Vacancies	
	2010	2020
Bangalore	15%	22%
Delhi	21%	20%
Hyderabad	10%	8%
Pune	12%	6%
Chennai	8%	10%
Mumbai	10%	18%
Calcutta	24%	16%

निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2010 और 2020 के दौरान सात भारतीय शहरों नामतः बंगलोर, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुम्बई और कोलकाता में आईटी से संबंधित नौकरियों में रिक्तियों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। वर्ष 2010 और 2020 के दौरान इन शहरों में रिक्तियों की कुल संख्या क्रमशः 5.4 लाख और 8.6 लाख हैं। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए :

#### नौकरियों की रिक्तियों का शहरवार वितरण

शहर	नौकरियों की रिक्तियों का वितरण (%)	
	2010	2020
बंगलोर	15%	22%
दिल्ली	21%	20%
हैदराबाद	10%	8%
पुणे	12%	6%
चेन्नई	8%	10%
मुम्बई	10%	18%
कोलकाता	24%	16%

What is the total number of job vacancies available in Chennai in 2010 and in Mumbai in 2020?

- 1. 1.92 lakh
- 2. 1.98 lakh
- 3. 2.04 lakh
- 4. 2.16 lakh

- (1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

वर्ष 2010 में चेन्नई और वर्ष 2020 में मुम्बई में उपलब्ध नौकरियों की रिक्तियों की कुल संख्या कितनी है ?

- 1. 1.92 लाख
- 2. 1.98 लाख
- 3. 2.04 लाख
- 4. 2.16 लाख

- (1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

1[Option ID=19509]  
 2[Option ID=19510]  
 3[Option ID=19511]  
 4[Option ID=19512]

Sl. No.104  
 QBID:9201004

The following table shows the percentage (%) distribution of IT-related job vacancies in seven Indian cities, namely, Bangalore, Delhi, Hyderabad, Pune, Chennai, Mumbai and Calcutta during the years 2010 and 2020. Total number of vacancies in these cities in the years 2010 and 2020 are 5.4 lakh and 8.6 lakhs, respectively. Based on the data in the table, answer the question

#### City-wise Distribution of Job Vacancies.

City	Distribution (%) of Job Vacancies	
	2010	2020
Bangalore	15%	22%
Delhi	21%	20%
Hyderabad	10%	8%
Pune	12%	6%
Chennai	8%	10%
Mumbai	10%	18%
Calcutta	24%	16%

निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2010 और 2020 के दौरान सात भारतीय शहरों नामतः बंगलोर, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुम्बई और कोलकाता में आईटी से संबंधित नौकरियों में रिक्तियों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। वर्ष 2010 और 2020 के दौरान इन शहरों में रिक्तियों की कुल संख्या क्रमशः 5.4 लाख और 8.6 लाख हैं। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए :

नौकरियों की रिक्तियों का शहरवार वितरण

शहर	नौकरियों की रिक्तियों का वितरण (%)	
	2010	2020
बंगलोर	15%	22%
दिल्ली	21%	20%
हैदराबाद	10%	8%
पुणे	12%	6%
चेन्नई	8%	10%
मुम्बई	10%	18%
कोलकाता	24%	16%

If the number of vacancies in Pune is 48000 in the year 2020 and the percentage distribution is same as given in the table, then what is the number of vacancies available in Delhi in 2020 ?

1. 1.20 lakh
2. 1.32 lakh
3. 1.48 lakh
4. 1.60 lakh

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

यदि वर्ष 2020 में पुणे में रिक्तियों की संख्या 48000 है और इनका प्रतिशत वितरण वैसा ही है जैसा तालिका में दिया गया है, तो वर्ष 2020 में दिल्ली में उपलब्ध रिक्तियों की संख्या कितनी है ?

1. 1.20 लाख
2. 1.32 लाख
3. 1.48 लाख
4. 1.60 लाख

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19513]  
2[Option ID=19514]  
3[Option ID=19515]  
4[Option ID=19516]

Sl. No.105  
QBID:9201005

The following table shows the percentage (%) distribution of IT-related job vacancies in seven Indian cities, namely, Bangalore, Delhi, Hyderabad, Pune, Chennai, Mumbai and Calcutta during the years 2010 and 2020. Total number of vacancies in these cities in the years 2010 and 2020 are 5.4 lakh and 8.6 lakhs, respectively. Based on the data in the table, answer the question

#### City-wise Distribution of Job Vacancies.

City	Distribution (%) of Job Vacancies	
	2010	2020
Bangalore	15%	22%
Delhi	21%	20%
Hyderabad	10%	8%
Pune	12%	6%
Chennai	8%	10%
Mumbai	10%	18%
Calcutta	24%	16%

निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2010 और 2020 के दौरान सात भारतीय शहरों नामतः बंगलोर, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुम्बई और कोलकाता में आईटी से संबंधित नौकरियों में रिक्तियों का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया है। वर्ष 2010 और 2020 के दौरान इन शहरों में रिक्तियों की कुल संख्या क्रमशः 5.4 लाख और 8.6 लाख हैं। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए :

#### नौकरियों की रिक्तियों का शहरवार वितरण

शहर	नौकरियों की रिक्तियों का वितरण (%)	
	2010	2020
बंगलोर	15%	22%
दिल्ली	21%	20%
हैदराबाद	10%	8%
पुणे	12%	6%
चेन्नई	8%	10%
मुम्बई	10%	18%
कोलकाता	24%	16%

What is the approximate percentage rise in job vacancies available in Hyderabad from year 2010 to 2020 ?

1. 23.21%
2. 24.52%
3. 26.24%
4. 27.41%

- (1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

वर्ष 2010 से वर्ष 2020 तक हैदराबाद में उपलब्ध नौकरियों की रिक्तियों में लगभग कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई ?

1. 23.21%
2. 24.52%
3. 26.24%
4. 27.41%

- (1) 1  
 (2) 2  
 (3) 3  
 (4) 4

1[Option ID=19517]  
 2[Option ID=19518]  
 3[Option ID=19519]  
 4[Option ID=19520]

**SI. No.106**  
**QBID:9201006**

The current SWAYAM platform is developed by the Ministry of Education and NPTEL, IIT Madras with the help of \_\_\_\_\_.

- A. Infosys Ltd.
- B. Google Inc.
- C. TCS
- D. HCL Ltd.
- E. Persistent System Ltd.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. B and D only
- 2. C and E only
- 3. A and C only
- 4. B and E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

वर्तमान में स्वयं (SWAYAM) का प्लॉटफार्म निम्न में से किसके सहयोग से शिक्षा मंत्रालय और एनपीटीईएल (NPTEL), आईआईटी (IIT) मद्रास द्वारा विकसित किया गया है।

- A. इन्फोसिस लिमिटेड
- B. गूगल इंक.
- C. टीसीएस
- D. एचसीएल लिमिटेड
- E. पर्सिस्टेंट सिस्टम लिमिटेड

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल B और D
- 2. केवल C और E
- 3. केवल A और C
- 4. केवल B और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19521]  
2[Option ID=19522]  
3[Option ID=19523]  
4[Option ID=19524]

Sl. No.107

QBid:9201007

Match List I with List II

LIST I (Components)	LIST II (Learning Theory)
A. Stimulus-Response	I. Cognitivism
B. Networking	II. Constructivism
C. Schemas	III. Behaviourism
D. Reasoning	IV. Connectivism

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A-I, B-II, C-III, D-IV
- 2. A-III, B-IV, C-I, D-II
- 3. A-IV, B-I, C-II, D-III
- 4. A-II, B-IV, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

**सूची I का सूची II से मिलान कीजिए**

सूची I (घटक)	सूची II (अधिगम सिद्धांत)
A. उद्दीपन-अनुक्रिया	I. संज्ञानवाद
B. नेटवर्किंग	II. संरचनावाद
C. रूपरेखा	III. व्यवहारवाद
D. तर्कता	IV. संयोजनवाद

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-III, B-IV, C-I, D-II
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19525]

2[Option ID=19526]

3[Option ID=19527]

4[Option ID=19528]

**Sl. No.108**

**QBID:9201008**

What does the letter 'R' in instructional design model of teaching 'ASSURE' stand for?

1. Require Teacher Participation
2. Require Learner Participation
3. Require Society Participation
4. Require Parents Participation

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शिक्षण की अनुदेशात्मक अभिकल्प मॉडल 'ASSURE' में अक्षर 'R' किसके लिए आता है ?

1. अध्यापक प्रतिभागिता की अपेक्षा/आवश्यकता
2. अधिगमकर्ता प्रतिभागिता की अपेक्षा/आवश्यकता
3. समाज की प्रतिभागिता की आवश्यकता
4. माता-पिता की प्रतिभागिता की आवश्यकता

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19529]

2[Option ID=19530]

3[Option ID=19531]

4[Option ID=19532]

**Sl. No.109**

**QBID:9201009**

Given below are two statements:

Statement-I The basic function of exploratory case studies is to identify questions and select types of measurement before the main investigation

Statement II: The basic function of cumulative case studies is to make unfamiliar familiar and to give readers a common language about the topic in question.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : समन्वेशी प्रकरण (केस) अध्ययनों का प्राथमिक कार्य मुख्य अन्वेषण कार्य से पहले प्रश्नों को चिह्नित करना और मापन के प्रकारों का चयन करना है।

कथन II : संचयी प्रकरण (केस) अध्ययनों का प्राथमिक कार्य अज्ञात को ज्ञात कराना और विषयागत प्रश्न के बारे में पाठकों के लिए एक समान भाषा प्रदान करना है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19533]

2[Option ID=19534]

3[Option ID=19535]

4[Option ID=19536]

SI. No.110

QBID:9201010

Given below are two statements:

Statement-I SWAYAM Prabha is an initiative of the Ministry of Education.

Statement II: The DTH channels are using the INSAT-30 satellite for Program telecasts in SWAYAM Prabha.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : स्वयं प्रभा (SWAYAM Prabha) शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है।

कथन II : DTH चैनल्स स्वयं (SWAYAM) प्रभा में कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए इनसैट-30 उपग्रह का उपयोग कर रहे हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19537]

2[Option ID=19538]

3[Option ID=19539]

4[Option ID=19540]

Given below are two statements:

Statement-I The null hypothesis for testing of difference between means is generally stated as  $H_0: \mu_1 \neq \mu_2$ , where  $(\mu_1)$  and  $(\mu_2)$  are the population means of the two populations, respectively.

Statement II: When samples happen to be small samples and population variances are not known but assumed to be equal, Z-test is employed for testing the null hypothesis.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : माध्यों के बीच अंतर के परीक्षण के लिए शून्य परिकल्पना को आमतौर पर इस प्रकार अभिव्यक्त किया जाता है :  
 $H_0: \mu_1 = \mu_2$ ,  $\mu_1$  और  $\mu_2$  दो जनसंख्याओं के क्रमशः जनसंख्या माध्य हैं।

कथन II : जब प्रतिदर्श छोटे प्रदिदर्श होते हैं और जनसंख्या प्रसरण अज्ञात होते हैं परंतु समान मान लिये जाते हैं, तब शून्य परिकल्पना के परीक्षण के लिए Z-परीक्षण को प्रयुक्त किया जाता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19541]  
2[Option ID=19542]  
3[Option ID=19543]  
4[Option ID=19544]

If a researcher wants to select a sample from a population such that each member in the population of interest has an equal chance of being selected in the sample, the researcher is following:

1. Quota sampling
2. Convenience sampling
3. Purposive sampling
4. Random sampling

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

यदि एक शोधकर्ता जनसंख्या से प्रतिदर्श का चयन इस प्रकार से करना चाहता है कि लक्ष्य जनसंख्या में प्रत्येक सदस्य को प्रतिदर्श चयन में समान अवसर प्राप्त होता है, तो इस शोध का प्रतिदर्श चयन निम्नलिखित में से कौन-सा है ?

1. कोटा प्रतिदर्श चयन
2. सुविधाजनक प्रतिदर्श चयन
3. प्रयोजनमूलक प्रतिदर्श चयन
4. यादचिक प्रतिदर्श चयन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=19545]  
2[Option ID=19546]  
3[Option ID=19547]  
4[Option ID=19548]

Sl. No.113

QBid:9201013

In the context of bibliographies and footnotes researchers sometimes use the abbreviation 'tr' which means:

1. transit
2. transported
3. translated
4. transcript

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संदर्भग्रंथ सूची और पाद टिप्पणी के संदर्भ में, कभी-कभी शोधकर्ता संक्षेपाक्षर 'tr' का प्रयोग करते हैं जिसका अर्थ है :

1. पारवहन
2. वाहित
3. अनुदित
4. प्रतिलिपि

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=19549]  
2[Option ID=19550]  
3[Option ID=19551]  
4[Option ID=19552]

Sl. No.114

QBid:9201014

Given below are two statements:

Statement-I Quantitative research is typically highly structured whereas in qualitative research, the approach is invariably unstructured.

Statement II : Both quantitative and qualitative research are concerned with data reduction.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : मात्रात्मक शोध विशिष्टः अधिक संरचित होता है, जबकि गुणात्मक शोध में शोध उपागम निरापवाद रूप से असंरचित होता है।

कथन II : मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों प्रकार के शोध आंकड़ों के न्यूनीकरण से संबंधित होते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

- (2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19553]  
2[Option ID=19554]  
3[Option ID=19555]  
4[Option ID=19556]

Sl. No.115  
QBID:9201015

A student commits Level 2 plagiarism while submitting thesis/dissertation. As per UGC regulations, the student shall be :

1. Debarred from submitting a revised script for a period of one year.
2. Debarred from submitting a revised script for a period of 6 months
3. Asked to submit a revised script within a stipulated time period not exceeding one year.
4. Asked to submit a revised script within a stipulated time period not exceeding 6 months.

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

एक विद्यार्थी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुसार अपने शोध प्रबंध/लघु शोध प्रबंध में साहित्य चोरी के स्तर 2 का अपराध करता है। निम्न में से किसके अंतर्गत विद्यार्थी को दंडित किया जाएगा ?

1. एक वर्ष की अवधि के लिए संशोधित पांडुलिपि जमा करने से वर्जित कर दिया जाएगा।
2. 6 माह की अवधि के लिए संशोधित पांडुलिपि जमा करने से वर्जित कर दिया जाएगा।
3. एक वर्ष की अवधि के अंदर अनुबंधित समयावधि में संशोधित पांडुलिपि जमा करने को कहा जाएगा।
4. 6 माह की अवधि के अंदर अनुबंधित समयावधि में संशोधित पांडुलिपि जमा करने को कहा जाएगा।

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19557]  
2[Option ID=19558]  
3[Option ID=19559]  
4[Option ID=19560]

Sl. No.116  
QBID:9201016

According to Pierre Bourdieu cultural capital, through communication is for:

1. Political benefit
2. Military benefit
3. Trade benefit
4. Socio-cultural benefit

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

पियरे बोर्दियु के अनुसार, संप्रेषण के माध्यम से सांस्कृतिक पूँजी से निम्नांकित प्राप्त होता है ?

1. राजनीतिक लाभ
2. सैन्य लाभ
3. व्यापार लाभ
4. सामाजिक-सांस्कृतिक लाभ

- (1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19561]  
2[Option ID=19562]  
3[Option ID=19563]  
4[Option ID=19564]

Sl. No.117  
QBID:9201017

Inter-personal communication is most often considered as :

- 1. Dyadic
- 2. Within oneself
- 3. Many-to-many
- 4. One-to-huge masses

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

अन्तर-वैयक्तिक संप्रेषण प्रायः इस रूप में समझा जाता है :

- 1. युग्मकीय (डायडिक)
- 2. ख्यय में
- 3. बहुल से बहुल की ओर
- 4. एक से विशाल जनसमूहों की ओर

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19565]  
2[Option ID=19566]  
3[Option ID=19567]  
4[Option ID=19568]

Sl. No.118  
QBID:9201018

The mechanical model of communication is characterised by:

- A. Multiple-way flow
- B. One-way flow
- C. From one-to-many
- D. Anonymity
- E. Active audience.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

- 1. A, B and C only
- 2. B, C and D only
- 3. C, D and E only
- 4. A, D and E only

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

संप्रेषण के यांत्रिक मॉडल (प्रतिरूप) की विशेषताएं हैं ?

- A. बहुविध-मार्गी प्रवाह
- B. एक-मार्गी प्रवाह
- C. एक से अनेक की ओर
- D. अज्ञातता
- E. सक्रिय दर्शक/श्रोता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A, B और C
- 2. केवल B, C और D
- 3. केवल C, D और E
- 4. केवल A, D और E

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19569]  
2[Option ID=19570]  
3[Option ID=19571]  
4[Option ID=19572]

Given below are two statements: ]

Statement I : In communication, semiotics has the objective of describing how meaning is generated.

Statement II: It is said that semiotics posits the meaning that is human construct of an observer.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : संप्रेषण में, संकेत विज्ञान में इसका वर्णन करने का उद्देश्य होता है कि अर्थ कैसे निकाला जाता है।

कथन II : यह कहा जाता है कि संकेत विज्ञान यह मानता है कि अर्थ किसी प्रेक्षक की मानव निर्मिति है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19573]

2[Option ID=19574]

3[Option ID=19575]

4[Option ID=19576]

Given below are two statements:

Statement I : Communication has the power to define, persuade and inform issues and events to the people.

Statement II: Communication cannot serve as a tool of demarcation among people.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : संप्रेषण में लोगों से संबंधित मुद्दों और घटनाओं को परिभाषित करने, समझाने और सूचित करने की शक्ति निहित होती है।

कथन II : संप्रेषण लोगों में सीमांकन के एक साधन के रूप में सेवा नहीं कर सकता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19577]

2[Option ID=19578]

3[Option ID=19579]

4[Option ID=19580]

Sl. No.121

QBID:9201021

Two old cars are sold for Rs. 48,000 each. One is sold at a profit of 20% and another at a loss of 20%. Find the net profit/loss percentage and the total amount of profit/loss.

1. 4% loss, Rs. 4,000 loss
2. 4% profit, Rs. 4,000 profit
3. 5% loss, Rs. 4,000 loss
4. 2% profit, Rs. 2,000 profit

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

दो पुरानी कारों में से प्रत्येक को 48000 रुपये में बेचा जाता है। एक को 20% के लाभ पर बेचा जाता है और दूसरी को 20% हानि पर बेचा जाता है। कुल हुए लाभ/हानि प्रतिशत को तथा लाभ/हानि की कुल धन राशि ज्ञात कीजिए।

1. 4% हानि, 4000 रुपये हानि
2. 4% लाभ, 4000 रुपये लाभ
3. 5% हानि, 4000 रुपये हानि
4. 2% लाभ, 2000 रुपये लाभ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19581]

2[Option ID=19582]

3[Option ID=19583]

4[Option ID=19584]

Sl. No.122

QBID:9201022

If 10<sup>th</sup> term of an Arithmetic Progression (AP) series is 34 and the difference between any two consecutive terms is 3, then find the first term of the series.

1. 16
2. 10
3. 7
4. 13

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

यदि किसी समांतर श्रृंखला में 10वाँ पद 34 है और किन्हीं दो क्रमागत पदों के मध्य अन्तर 3 है, तब श्रृंखला के प्रथम पद को ज्ञात कीजिए।

- 1. 16
- 2. 10
- 3. 7
- 4. 13

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19585]  
2[Option ID=19586]  
3[Option ID=19587]  
4[Option ID=19588]

Sl. No.123

QBID:9201023

The average age of a committee of 10 members is 42 years. A member of age 53 retires and a new member of age 45 years takes his place. What is the average age of the new committee?

- 1. 39.5 years
- 2. 41.2 years
- 3. 38.2 years
- 4. 40.7 years

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

10 सदस्यों वाली किसी समिति की औसत आयु 42 वर्ष है। एक 53 वर्ष की आयु वाला सदस्य सेवानिवृत्त होता है और उसका स्थान एक 45 वर्ष के एक नए सदस्य द्वारा लिया जाता है। अब इस नई समिति की औसत आयु कितनी है?

- 1. 39.5 वर्ष
- 2. 41.2 वर्ष
- 3. 38.2 वर्ष
- 4. 40.7 वर्ष

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19589]  
2[Option ID=19590]  
3[Option ID=19591]  
4[Option ID=19592]

Sl. No.124

QBID:9201024

Consider a two digit number. If the digits of this number are interchanged, the new number obtained is lesser than the original number by 18. If the sum of the digits of the number is 12, then find the original number.

- 1. 84
- 2. 75
- 3. 57
- 4. 48

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

दो अंकों की संख्या पर विचार कीजिए। यदि इस संख्या के अंकों की अदला-बदली कर दी जाती है, तब नई प्राप्त संख्या पहले की (मूल) संख्या से 18 कम हो जाती है। यदि संख्या के अंकों का योग 12 है, तब पहले की (मूल) संख्या ज्ञात कीजिए।

- 1. 84
- 2. 75
- 3. 57
- 4. 48

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=19593]
- 2[Option ID=19594]
- 3[Option ID=19595]
- 4[Option ID=19596]

Sl. No.125

QBID:9201025

In a certain coded language: (A) 'muj paa doda' means 'bring me water' (B) 'paa jo toda' means 'water is life' © 'Jo lin kota' means 'life and death'. Which of the following represents 'is' in that coded language?

- 1. paa
- 2. kota
- 3. toda
- 4. Jo

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

किसी निश्चित कूटबद्ध भाषा में :

- A. 'Muj paa doda' का अर्थ 'ब्रिंग मी वाटर'
- B. 'paa jo toda' का अर्थ 'वाटर इज लाइफ'
- C. 'Jo lin kota' का अर्थ 'लाइफ एण्ड डेथ'

इस कूटबद्ध भाषा में निम्नलिखित में से कौन 'is' को निरूपित करता है ?

- 1. paa
- 2. kota
- 3. toda
- 4. Jo

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=19597]
- 2[Option ID=19598]
- 3[Option ID=19599]
- 4[Option ID=19600]

Sl. No.126

QBID:9201026

"Ten milligrams of substance X was fed to ten mice. All of them died within two minutes. One could conclude. This amount of substance is fatal to the average mouse". Which of the following statements regarding above argument are true?

- A. It commits the fallacy of Hasty generalization.
- B. It commits the fallacy of Irrelevant conclusion.
- C. It is a strong inductive argument.
- D. It is a weak deductive argument.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A only
- 2. B and C only
- 3. B and D only
- 4. C only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"X पदार्थ का 10 मिलीग्राम 10 चूहों को खिलाया गया। वे सभी दो मिनट में मर गए। कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि X पदार्थ की इतनी मात्रा औसत-रूप में चूहों के लिए घातक है।" उपरोक्त युक्ति के संदर्भ में निम्नलिखित कौन-से कथन सत्य हैं?

- A. इसमें अविचारी सामान्यीकरण का तर्कदोष है।
- B. इसमें प्रतिशांतर सिद्धि का तर्कदोष है।
- C. यह एक सुट्ट आगमनात्मक युक्ति है।
- D. यह एक कमज़ोर निम्नमात्मक युक्ति है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A
2. केवल B और C
3. केवल B और D
4. केवल C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19601]

2[Option ID=19602]

3[Option ID=19603]

4[Option ID=19604]

Sl. No.127

QBID:9201027

If the statement 'all golf players are rich persons' is given as true which of the following statements can be inferred to be true?

- A. No golf players are rich persons.
- B. Some golf players are rich persons.
- C. Some rich persons are golf players.
- D. Some golf players are not rich persons.

Choose the correct answer from the options given below:

1. B and D only
2. B and C only
3. A and D only
4. C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

यदि कथन 'सभी गोल्फ-खिलाड़ी धनी व्यक्ति हैं' को सही के रूप में दिया गया है तब निम्नलिखित कौन-सा कथन सत्य होने के रूप में अनुमानित किया जा सकता है।

- A. कोई भी गोल्फ खिलाड़ी धनी व्यक्ति नहीं है।
- B. कुछ गोल्फ खिलाड़ी धनी व्यक्ति हैं।
- C. कुछ धनी व्यक्ति गोल्फ खिलाड़ी हैं।
- D. कुछ गोल्फ खिलाड़ी धनी व्यक्ति नहीं हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल B और D
2. केवल B और C
3. केवल A और D
4. केवल C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19605]

2[Option ID=19606]

3[Option ID=19607]

4[Option ID=19608]

Sl. No.128

QBID:9201028

Which of the following statements is contradictory to the statement- " all dogs are friendly animals" ?

1. No dogs are friendly animals.
2. Some friendly animals are not dogs.
3. Some friendly animals are dogs.
4. Some dogs are not friendly animals.

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन, "सभी कुत्ते मित्रवत जानवर हैं" कथन का व्याघाती है ?

1. कोई भी कुत्ता मित्रवत जानवर नहीं हैं।
2. कुछ मित्रवत जानवर कुत्ते नहीं हैं।
3. कुछ मित्रवत जानवर कुत्ते हैं।
4. कुछ कुत्ते मित्रवत जानवर नहीं हैं।

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19609]  
2[Option ID=19610]  
3[Option ID=19611]  
4[Option ID=19612]

Sl. No.129  
QBID:9201029

Which of the following statements are logically equivalent ?

- A. Some fishes are not amphibians.
- B. Some fishes are amphibians.
- C. Some fishes are non-amphibians.
- D. Some non-amphibians are not non-fishes.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and B only
2. A, B and C only
3. A, C and D only
4. C and D only

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

निम्नलिखित कौन-से कथन तार्किक रूप से समतुल्य हैं ?

- A. कुछ मछलियाँ उभयचर नहीं हैं।
- B. कुछ मछलियाँ उभयचर हैं।
- C. कुछ मछलियाँ गैर-उभयचर हैं।
- D. कुछ गैर-उभयचर, गैर-मछली नहीं हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A और B
2. केवल A, B और C
3. केवल A, C और D
4. केवल C और D

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19613]  
2[Option ID=19614]  
3[Option ID=19615]  
4[Option ID=19616]

Sl. No.130  
QBID:9201030

"There is smoke on the distant hill. Since smoke is always accompanied by fire, the hill must have fire too." Which of the terms corresponds to the Sadhya (major term) in the above argument according to classical Indian school of Logic?

- 1. Hill
- 2. Fire
- 3. Smoke
- 4. Smoky hill

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"दूर स्थित पर्वत पर धुआँ है। क्योंकि जहाँ धुआँ होता है वहाँ सदैव आग होती है, पर्वत पर अवश्य ही आग भी होनी चाहिए" न्याय की भारतीय शास्त्रीय शाखा के अनुसार उपरोक्त युक्ति में निम्नांकित कौन-सा पद साध्य (मुख्य पद) के समरूप है?

- 1. पर्वत
- 2. आग
- 3. धुआँ
- 4. धूम्रमय पर्वत

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19617]  
2[Option ID=19618]  
3[Option ID=19619]  
4[Option ID=19620]

Sl. No.131

QBid:9201031

A song stored on a CD is, on average, 4 MBytes in size. Amit wishes to transfer 4000 such songs on to a memory stick. Estimate the minimum size of memory stick, in GB, that Amit will need to use.

- 1. 8 GB
- 2. 16 GB
- 3. 32 GB
- 4. 24 GB

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सीडी पर भंडारित गीत, औसतन आकार में 4 मेगाबाइट होता है। अमित ऐसे 4000 गीतों को मेमोरी स्टिक में स्थानांतरित करना चाहता है। आकलन कीजिए कि अमित को गीगा बाइट में न्यूनतम किस आकार की मेमोरी स्टिक का प्रयोग करने की आवश्यकता होगी।

- 1. 8 गीगा बाइट्स
- 2. 16 गीगा बाइट्स
- 3. 32 गीगा बाइट्स
- 4. 24 गीगा बाइट्स

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19621]  
2[Option ID=19622]  
3[Option ID=19623]  
4[Option ID=19624]

Sl. No.132

QBid:9201032

Which of the following statements are true ? 5G-enabled technology will soon replace 4G-enabled technology for mobile communication worldwide. Potential advantages of 5G enabled mobile technology include:

- A. Greater interconnectivity for Internet of things
- B. Greater download speeds
- C. Less bandwidth
- D. Greater end-to-end delay.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A and B only
- 2. B and C only
- 3. C and D only
- 4. A and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

मोबाइल संप्रेषण के लिए विश्वव्यापी स्तर पर 4जी समर्थित प्रौद्योगिकी को 5जी समर्थित प्रौद्योगिकी शीघ्र ही प्रतिस्थापित कर देगी। 5जी समर्थित मोबाइल प्रौद्योगिकी के संभाव्य लाभों में निम्नलिखित में से क्या-क्या शामिल हैं ?

- A. इंटरनेट ऑफ थिंग्स हेतु अधिक अंतःयोजनीयता
- B. डाउनलोड की अधिक गति
- C. कम बैटरीचार्जिंग
- D. एक सिरे से दूसरे सिरे तक अधिक विलम्ब

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A और B
- 2. केवल B और C
- 3. केवल C और D
- 4. केवल A और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19625]

2[Option ID=19626]

3[Option ID=19627]

4[Option ID=19628]

Sl. No.133

QBID:9201033

Given below are two statements: With reference to digital initiatives of Government of India.

Statement I : BHIM is a payment app that lets you make simple, easy and quick transactions using Unified Payments Interface (UPI)

Statement II: Courses delivered through SWAYAM platform are made available at minimal cost.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- 1. Both Statement I and Statement II are true.
- 2. Both Statement I and Statement II are false.
- 3. Statement I is true but Statement II is false.
- 4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

भारत सरकार की अंकीय पहलकदमियों के संदर्भ में नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : बीएचआईएम (भीम) एक ऐसा भुगतान एप है जो आपको यूनिफाइड पेमेंट्स एप (यूपीआई) का प्रयोग कर सरल, सुगम और द्रुत संव्यवहार करने देता है।

कथन II : 'स्टर्प' प्लेटफार्म के माध्यम से प्रदत्त पाठ्यक्रम न्यूनतम लागत पर उपलब्ध हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19629]

2[Option ID=19630]

3[Option ID=19631]

4[Option ID=19632]

Sl. No.134

QBID:9201034

Which one of the following acronyms is matched incorrectly with its full form?

1. BIOS - Basic Input/Output system
2. PDA - Personal Digital Authentication
3. GUI - Graphical User Interface
4. WWW - World Wide Web

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सा संक्षिप्त नाम अपने पूरे नाम से सही तरह से नहीं मिलाया गया है ?

1. बीआईओएस - बोसिक इनपुट/आउटपुट सिस्टम
2. पीडीए - पर्सनल डिजीटल ऑथेंटिकेशन
3. जीयूआई - ग्राफिकल यूजर इंटरफ़ेस
4. डब्ल्यू.डब्ल्यू.डब्ल्यू - वर्ल्ड वाइड वेब

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19633]

2[Option ID=19634]

3[Option ID=19635]

4[Option ID=19636]

Sl. No.135

QBID:9201035

Identify the correct order of the following terms A-D to complete the sentences given below about digital still and video cameras: Cameras that handle a higher number of \_\_\_\_\_ will be able to capture more details than those with a lower number. Images that are stored in a \_\_\_\_\_ format have not been processed and will take up more storage space than images that are stored in a \_\_\_\_\_ format. The \_\_\_\_\_ of your storage device determines how many images you can store.

- A. JPEG
- B. Raw
- C. Megapixels
- D. Capacity.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. C, B, A, D
- 2. A, D, B, C
- 3. B, C, A, D
- 4. D, B, A, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

डिजीटल स्टिल और वीडियो कैमरों के संबंध में निम्न वाक्यों को पूरा करने के लिए निम्नलिखित पदों A-D के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए :

\_\_\_\_\_ की उच्चतर संख्या को संभालने वाले कैमरे उनकी कम संख्या वालों की तुलना में अधिक विवरण प्राप्त कर पाएंगे। \_\_\_\_\_ प्रारूप में भंडारित छवियों का प्रक्रमण नहीं किया गया है और वे \_\_\_\_\_ प्रारूप में भंडारित छवियों की तुलना में अधिक भंडारण स्थान लेंगी। आपके भंडारण उपकरण का \_\_\_\_\_ निर्धारित करता है कि आप कितनी छवियों का भंडारण कर सकेंगे।

- A. जेपीईजी
- B. आरएडब्ल्यू
- C. मेगापिक्सेल
- D. क्षमता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. C, B, A, D
- 2. A, D, B, C
- 3. B, C, A, D
- 4. D, B, A, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19637]  
2[Option ID=19638]  
3[Option ID=19639]  
4[Option ID=19640]

SI. No.136  
QBID:9201036

Given below are two statements:

Statement-I United Nations General Assembly declared 2010 as International Year of Biodiversity.

Statement II : 2010 was also the target year to achieve the halt in the decline of biodiversity.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- 1. Both Statement I and Statement II are correct.
- 2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
- 3. Statement I is correct but statement II is incorrect.
- 4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने वर्ष 2010 को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता वर्ष घोषित किया था।

कथन II : 2010 वह लक्षित वर्ष भी था जिसमें जैव विविधता में हास में विराम को प्राप्त करना था।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19641]

2[Option ID=19642]

3[Option ID=19643]

4[Option ID=19644]

Sl. No.137

QBID:9201037

Given below are two statements:

Statement-I Vision of International Solar Alliance: Every home no matter how far away, will have a light at home.

Statement II : Mission of International Solar Alliance: Let us together make sun brighter.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : अंतरराष्ट्रीय सौर संधि का दृष्टिकोण (विज्ञन): प्रत्येक घर में, चाहे वह कितना भी दूर हो, प्रकाश होगा।

कथन II : अंतरराष्ट्रीय सौर संधि का मिशन: हम सब मिल कर सूर्य को और अधिक दीप्तिमान करें।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19645]

2[Option ID=19646]

3[Option ID=19647]

4[Option ID=19648]

Sl. No.138

QBID:9201038

Full form of IPCC, a nodal agency in the context of climate change, is:

1. Intergovernmental Policy on Climate change
2. Intergovernmental Panel on Climate Change
3. International Policy on Climate Change
4. International Panel on Climate Change

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

जलवायु परिवर्तन के संदर्भ एक केंद्रक एजेंसी आईपीसीसी का पूरा नाम निम्न में से कौन सा है ?

1. इंटरगवर्नमेंटल पॉलिसी ऑन क्लाइमेट चेंज
2. इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज
3. इंटरनेशनल पॉलिसी ऑन क्लाइमेट चेंज
4. इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19649]  
2[Option ID=19650]  
3[Option ID=19651]  
4[Option ID=19652]

Sl. No.139  
QBID:9201039

Which of the following different sized particulate matters are required for the determination of Air Quality Index (AQI) in India?

- A. PM1 (Particulate Matter Size equal or less than 1 micron)
- B. PM 2.5 (Particulate matter size equal or less than 2.5 micron)
- C. PM 10 (Particulate matter size equal or less than 10 micron)
- D. TSPM (Total Suspended Particulate Matters)

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A and B only
2. B and C only
3. A and C only
4. B, C and D only

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

भारत में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) के निर्धारण के लिए निम्न में से भिन्न आकार वाले कौन-कौन से कणिकीय पदार्थों की आवश्यकता होती है ?

- A. PM1 (1 माइक्रान आकार से कम या बराबर के कणिकीय पदार्थ)
- B. PM2.5 (2.5 माइक्रान आकार से कम या बराबर के कणिकीय पदार्थ)
- C. PM10 (10 माइक्रान आकार से कम या बराबर के कणिकीय पदार्थ)
- D. TSPM (कुल प्रलंबित कणिकीय पदार्थ)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल A और C
4. केवल B, C और D

(1) 1  
(2) 2  
(3) 3  
(4) 4

1[Option ID=19653]  
2[Option ID=19654]  
3[Option ID=19655]  
4[Option ID=19656]

**SI. No.140**  
**QBD:9201040**

Given below are two statements:

Statement-I Most of the world's geothermal sites are located in the circum pacific belt known as 'rim of fire'.

Statement II : Himalayan geothermal fields in India are also part of 'rim of fire'.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : विश्व के अधिकतर भूतापीय स्थल 'रिम ऑफ फायर' के रूप में ज्ञात परि-प्रशांत पट्टी में अवस्थित हैं।

कथन II : भारत में हिमालयी भूतापीय क्षेत्र भी 'रिम ऑफ फायर' का भाग है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19657]  
2[Option ID=19658]  
3[Option ID=19659]  
4[Option ID=19660]

**SI. No.141**

**QBD:9201041**

In order to enhance interaction and promote mutual understanding between people of different states/UTS including university students 'Ek Bharat, Shreshtha Bharat' scheme launched by Hon'ble Prime Minister

1. Shri Narendra Modi
2. Late Shri Atal Bihari Vajpayee
3. Manmohan Singh
4. Late Shri Chandra Shekhar

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

विभिन्न राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के लोगों (जिन में विश्वविद्यालय के छात्र भी शामिल हैं) के बीच अंतःक्रिया बढ़ाने और आपसी समझदारी को बढ़ावा देने के लिए 'एक भारत ऐसा भारत' योजना की शुरुआत निम्नलिखित माननीय प्रधानमंत्री ने किया -

1. श्री नरेन्द्र मोदी
2. स्वर्गीय श्री अटलबिहारी वाजपेयी
3. मनमोहन सिंह
4. स्वर्गीय श्री चन्द्रशेखर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19661]  
2[Option ID=19662]

3[Option ID=19663]  
4[Option ID=19664]

SI. No.142  
QBID:9201042

Given below are two statements:

Statement I : By 2040, all higher education institutions (HEIs) shall aim to become multidisciplinary institutions and shall aim to have larger student enrolments, as per NEP2020 recommendations.

Statement II: As per NEP 2020 recommendation, the aim will be to increase the Gross enrolment Ratio in higher education including vocational education from 26.3% (2018) to 50% by 2030.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : नई शिक्षा नीति, 2020 की अनुशंसाओं के अनुसार सन 2040 तक सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों (एच.इ.आइ.) को बहुविषयक संस्थान बनने का लक्ष्य रखना होगा और वृहतर छात्र नामांकन का लक्ष्य रखना होगा।

कथन II : नई शिक्षा नीति, 2020, की अनुशंसा के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 26.3% (2018) से बढ़ाकर सन 2030 तक 50% करने का लक्ष्य होगा।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19665]  
2[Option ID=19666]  
3[Option ID=19667]  
4[Option ID=19668]

SI. No.143  
QBID:9201043

In 1904, Curzon wanted to bring which of the following changes in some of the existing universities through the enactment of Indian Universities Act ?

- A. An enlargement of the functions of the universities
- B. A reduction in the size of the university senates
- C. The introduction of the principle of election to the senate
- D. An increase in the size of the university senates
- E. Stricter conditions for the affiliation of colleges to a university.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. A, B, C and E only
3. A, C, D and E only
4. A, C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सन 1904 में, भारतीय विश्वविद्यालय के अधिनियम के अधिनियमन द्वारा, कर्जन कुछ तत्कालीन विश्वविद्यालयों में निम्नलिखित परिवर्तन लाना चाहता था -

- A. विश्वविद्यालय के कार्यों का क्षेत्र-विस्तार/परिवर्तन
- B. विश्वविद्यालय सीनेट/अधिसभा के आकार में घटोत्तरी
- C. सीनेट में चुनाव के सिद्धान्त का प्रवर्तन
- D. विश्वविद्यालय सीनेट के आकार में वृद्धि
- E. विश्वविद्यालय से कॉलेजों की सम्बद्धता की शर्तों को कठोर बनाना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, C और E
2. केवल A, B, C, और E
3. केवल A, C, D और E
4. केवल A, C, और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19669]

2[Option ID=19670]

3[Option ID=19671]

4[Option ID=19672]

Sl. No.144

QBID:9201044

Given below are two statements:

Statement-I Indian Council of Philosophical Research (ICPR), was established in 2000 by the University Grants Commission (UGC) as an autonomous organization.

Statement II : Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) formerly National Council of Rural Institutes (NCRI) was established in 1995 as a registered autonomous society in Hyderabad.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद (आइ.सी.पी.आर.) की स्थापना सन 2010 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी।

कथन II : हैदराबाद में सन 1995 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.इ.), पूर्व नाम राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद (एन.सी.आर.आइ.) की स्थापना एक पंजीकृत स्वायत्त सोसाइटी के रूप में की गई थी।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19673]

2[Option ID=19674]

3[Option ID=19675]  
4[Option ID=19676]

Sl. No.145  
QBID:9201045

Given below are two statements:

Statement-I National Board of Accrediation (NBA) was established by UGC.

Statement II : National Assessment and Accreditation Council (NAAC) was established by AICTE.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एन.बी.ए.) की स्थापना यू.जी.सी. द्वारा की गई थी।

कथन II : राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एन.ए.ए.सी.) की स्थापना ए.आइ.सी.टी.इ. (AICTE) द्वारा की गई थी।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19677]  
2[Option ID=19678]  
3[Option ID=19679]  
4[Option ID=19680]

Sl. No.146  
QBID:9201046

Read the following passage and answer the question:

Ideally, scientists deduce conclusions from general laws that they know to be true. For example, if we know that massive objects attract each other (because of gravity), then it follows that an apple will fall to the ground when it releases from the tree. This logical reasoning from general to specific is known as deductive reasoning. Often, however, we do not know general laws that guide natural systems. We observe, for example, that birds appear and disappear as a year goes by. Through many repeated observations in different places, we can infer that the birds move from place to place. We can develop a general rule that birds migrate seasonally. Reasoning from many observations to produce a general rule is inductive reasoning. Although deductive reasoning is more logically sound than inductive reasoning, it only works when our general laws are correct. We often rely on inductive reasoning to understand the world because we have few immutable laws.

Sometimes it is insight, as much reasoning, that leads us to an answer. Many people fail to recognize the role that insight, creativity, aesthetics, and luck play in research. Some of our most important discoveries were made not because of superior scientific method and objective detachment, but because the investigators were passionately interested in their topics and pursued hunches that appeared unreasonable to fellow scientists.

निम्न गदांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दीजिए

आदर्शतः वैज्ञानिक उन सामान्य कानूनों से निष्कर्ष निकालते हैं जिनके बारे में वे जानते हैं कि वे सत्य हैं। उदाहरण के रूप में, यदि हम जानते हैं कि स्थूल वस्तुएं एक दूसरे को (गुरुत्वाकर्षण के कारण) आकर्षित करती हैं, तब इसके अनुसार वृक्ष से छूटने पर सेव जमीन पर गिरेगा। सामान्य से विशिष्ट की इस तार्किकता को निगमनात्मक तर्कना के रूप में जाना जाता है। तथापि बहुधा हम प्राकृतिक प्रणालियों का मार्गदर्शन करने वाले सामान्य कानूनों को नहीं जानते हैं। उदाहरण के रूप में, हम देखते हैं कि जैसे-जैसे वर्ष बीतता है, पक्षी आते हैं और विलुप्त हो जाते हैं। विभिन्न स्थानों पर बार बार के अनेक प्रेक्षणों से हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि पक्षी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर आवागमन करते हैं। हम एक सामान्य नियम विकसित कर सकते हैं कि पक्षी मौसम के अनुसार प्रवसन करते हैं। अनेक प्रेक्षणों से सामान्य नियम बनाने की तर्कना आगमनात्मक तर्कना होती है। यद्यपि आगमनात्मक तर्कना की अपेक्षा निगमनात्मक तर्कना तार्किक रूप में अधिक विश्वस्त है, यह तभी कारगर होता है जब हमारे सामान्य कानून सही हों। दुनिया को समझने के लिए हम बहुधा आगमनात्मक तर्कना पर निर्भर करते हैं क्योंकि हमारे पास थोड़े से अविकारी नियम हैं।

कभी-कभी तर्कना के साथ ही, अंतर्दृष्टि हमें उत्तर तक ले जाती है। अनेक व्यक्ति शोध में अंतर्दृष्टि, सृजनात्मकता, सौन्दर्यशास्त्र और भाग्य की भूमिका को स्वीकार करने में रिफल रहते हैं। हमारी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खोजों में से कुछ खोजें श्रेष्ठ वैज्ञानिक विधियों और वस्तुनिष्ठ तटस्थता के कारण नहीं हुई अपितु इस कारण हुई कि जांचकर्ता अपने विषयों में भावपूर्ण रूचि लेकर उन संकेतों का अनुसरण कर रहे थे जो उनके सहयोगी वैज्ञानिकों का असंगत लग रहे थे।

Given below are two statements:

Statement I : The fact that an apple will fall to the ground when it releases from the tree, is an example of deductive reasoning.

Statement II: Most important scientific discoveries are made only because of sound reasoning of the investigators.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : यह तथ्य निगमनात्मक तर्कना का उदाहरण है कि वृक्ष से छूटने पर सेब जमीन पर गिरेगा।

कथन II : सर्वाधिक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक खोजें जांचकर्ताओं की विश्वस्त (ठोस) तर्कना के कारण ही हो पाती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

- 1[Option ID=19681]
- 2[Option ID=19682]
- 3[Option ID=19683]
- 4[Option ID=19684]

Sl. No.147

QBID:9201047

Read the following passage and answer the question:

Ideally, scientists deduce conclusions from general laws that they know to be true. For example, if we know that massive objects attract each other (because of gravity), then it follows that an apple will fall to the ground when it releases from the tree. This logical reasoning from general to specific is known as deductive reasoning. Often, however, we do not know general laws that guide natural systems. We observe, for example, that birds appear and disappear as a year goes by. Through many repeated observations in different places, we can infer that the birds move from place to place. We can develop a general rule that birds migrate seasonally. Reasoning from many observations to produce a general rule is inductive reasoning. Although deductive reasoning is more logically sound than inductive reasoning, it only works when our general laws are correct. We often rely on inductive reasoning to understand the world because we have few immutable laws.

Sometimes it is insight, as much reasoning, that leads us to an answer. Many people fail to recognize the role that insight, creativity, aesthetics, and luck play in research. Some of our most important discoveries were made not because of superior scientific method and objective detachment, but because the investigators were passionately interested in their topics and pursued hunches that appeared unreasonable to fellow scientists.

निम्न गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दीजिए

आदर्शतः वैज्ञानिक उन सामान्य कानूनों से निष्कर्ष निकालते हैं जिनके बारे में वे जानते हैं कि वे सत्य हैं। उदाहरण के रूप में, यदि हम जानते हैं कि स्थूल वस्तुएं एक दूसरे को (गुरुत्वाकर्षण के कारण) आकर्षित करती हैं, तब इसके अनुसार वृक्ष से छूटने पर सेव जमीन पर गिरेगा। सामान्य से विशिष्ट की इस तार्किकता को निगमनात्मक तर्कना के रूप में जाना जाता है। तथापि बहुधा हम प्राकृतिक प्रणालियों का मार्गदर्शन करने वाले सामान्य कानूनों को नहीं जानते हैं। उदाहरण के रूप में, हम देखते हैं कि जैसे-जैसे वर्ष बीतता है, पक्षी आते हैं और विलुप्त हो जाते हैं। विभिन्न स्थानों पर बार बार के अनेक प्रेक्षणों से हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि पक्षी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर आवागमन करते हैं। हम एक सामान्य नियम विकसित कर सकते हैं कि पक्षी मौसम के अनुसार प्रवसन करते हैं। अनेक प्रेक्षणों से सामान्य नियम बनाने की तर्कना आगमनात्मक तर्कना होती है। यद्यपि आगमनात्मक तर्कना की अपेक्षा निगमनात्मक तर्कना तार्किक रूप में अधिक विश्वस्त है, यह तभी कारगर होता है जब हमारे सामान्य कानून सही हों। दुनिया को समझने के लिए हम बहुधा आगमनात्मक तर्कना पर निर्भर करते हैं क्योंकि हमारे पास थोड़े से अविकारी नियम हैं।

कभी-कभी तर्कना के साथ ही, अंतर्दृष्टि हमें उत्तर तक ले जाती है। अनेक व्यक्ति शोध में अंतर्दृष्टि, सृजनात्मकता, सौन्दर्यशास्त्र और भाष्य की भूमिका को स्वीकार करने में विफल रहते हैं। हमारी सर्वोधिक महत्वपूर्ण खोजों में से कुछ खोजें श्रेष्ठ वैज्ञानिक विधियों और वस्तुनिष्ठ तटस्थिता के कारण नहीं हुई अपितु इस कारण हुई कि जाचकर्ता अपने विषयों में भावपूर्ण रूचि लेकर उन संकेतों का अनुसरण कर रहे थे जो उनके सहयोगी वैज्ञानिकों को असंगत लग रहे थे।

Given below are two statements:

Statement I : The inference that birds migrate seasonally is an example of deductive reasoning.

Statement II: Deductive reasoning is always correct.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- 1. Both Statement I and Statement II are true.
- 2. Both Statement I and Statement II are false.
- 3. Statement I is true but Statement II is false.
- 4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : यह अनुमान, कि पक्षी मौसम के अनुसार प्रवसन करते हैं, निगमनात्मक तर्कना का उदाहरण है।

कथन II : निगमनात्मक तर्कना हमेशा सही होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19685]

2[Option ID=19686]

3[Option ID=19687]

4[Option ID=19688]

Sl. No.148

QID:9201048

Read the following passage and answer the question:

Ideally, scientists deduce conclusions from general laws that they know to be true. For example, if we know that massive objects attract each other (because of gravity), then it follows that an apple will fall to the ground when it releases from the tree. This logical reasoning from general to specific is known as deductive reasoning. Often, however, we do not know general laws that guide natural systems. We observe, for example, that birds appear and disappear as a year goes by. Through many repeated observations in different places, we can infer that the birds move from place to place. We can develop a general rule that birds migrate seasonally. Reasoning from many observations to produce a general rule is inductive reasoning. Although deductive reasoning is more logically sound than inductive reasoning, it only works when our general laws are correct. We often rely on inductive reasoning to understand the world because we have few immutable laws.

Sometimes it is insight, as much reasoning, that leads us to an answer. Many people fail to recognize the role that insight, creativity, aesthetics, and luck play in research. Some of our most important discoveries were made not because of superior scientific method and objective detachment, but because the investigators were passionately interested in their topics and pursued hunches that appeared unreasonable to fellow scientists.

निम्न गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दीजिए

आदर्शतः वैज्ञानिक उन सामान्य कानूनों से निष्कर्ष निकालते हैं जिनके बारे में वे जानते हैं कि वे सत्य हैं। उदाहरण के रूप में, यदि हम जानते हैं कि स्थूल वस्तुएँ एक दूसरे को (गुरुत्वाकर्षण के कारण) आकर्षित करती हैं, तब इसके अनुसार वृक्ष से छूटने पर सेव जमीन पर गिरेगा। सामान्य से विशिष्ट की इस तार्किकता को निगमनात्मक तर्कना के रूप में जाना जाता है। तथापि बहुधा हम प्राकृतिक प्रणालियों का मार्गदर्शन करने वाले सामान्य कानूनों को नहीं जानते हैं। उदाहरण के रूप में, हम देखते हैं कि जैसे-जैसे वर्ष बीतता है, पक्षी आते हैं और विलुप्त हो जाते हैं। विभिन्न स्थानों पर बार बार के अनेक प्रेक्षणों से हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि पक्षी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर आवागमन करते हैं। हम एक सामान्य नियम विकसित कर सकते हैं कि पक्षी मौसम के अनुसार प्रवसन करते हैं। अनेक प्रेक्षणों से सामान्य नियम बनाने की तर्कना आगमनात्मक तर्कना होती है। यद्यपि आगमनात्मक तर्कना की अपेक्षा निगमनात्मक तर्कना तार्किक रूप में अधिक विश्वस्त है, यह तभी कारगर होता है जब हमारे सामान्य कानून सही हों। दुनिया को समझने के लिए हम बहुधा आगमनात्मक तर्कना पर निर्भर करते हैं क्योंकि हमारे पास थोड़े से अविकारी नियम हैं।

कभी-कभी तर्कना के साथ ही, अंतर्दृष्टि हमें उत्तर तक ले जाती है। अनेक व्यक्ति शोध में अंतर्दृष्टि, सृजनात्मकता, सौन्दर्यशास्त्र और भाग्य की भूमिका को स्वीकार करने में विफल रहते हैं। हमारी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खोजों में से कुछ खोजें श्रेष्ठ वैज्ञानिक विधियों और वस्तुनिष्ठ तटस्थिता के कारण नहीं हुई अपितु इस कारण हुई कि जाचकर्ता अपने विषयों में भावपूर्ण रूचि लेकर उन संकेतों का अनुसरण कर रहे थे जो उनके सहयोगी वैज्ञानिकों को असंगत लग रहे थे।

Which among the following play a role in achieving success in research ?

- A. Reasoning
- B. Insight
- C. Luck

Choose the most appropriate answer from the options given below:

- 1. A and B only
- 2. B and C only
- 3. A and C only
- 4. A, B and C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शोध में सफलता प्राप्ति में निम्न में से किन-किन की भूमिका होती है ?

- A. तर्कना
- B. अंतर्दृष्टि
- C. भाग्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A और B
- 2. केवल B और C
- 3. केवल A और C
- 4. A, B और C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19689]

2[Option ID=19690]

3[Option ID=19691]

4[Option ID=19692]

Sl. No.149

QBID:9201049

Read the following passage and answer the question:

Ideally, scientists deduce conclusions from general laws that they know to be true. For example, if we know that massive objects attract each other (because of gravity), then it follows that an apple will fall to the ground when it releases from the tree. This logical reasoning from general to specific is known as deductive reasoning. Often, however, we do not know general laws that guide natural systems. We observe, for example, that birds appear and disappear as a year goes by. Through many repeated observations in different places, we can infer that the birds move from place to place. We can develop a general rule that birds migrate seasonally. Reasoning from many observations to produce a general rule is inductive reasoning. Although deductive reasoning is more logically sound than inductive reasoning, it only works when our general laws are correct. We often rely on inductive reasoning to understand the world because we have few immutable laws.

Sometimes it is insight, as much reasoning, that leads us to an answer. Many people fail to recognize the role that insight, creativity, aesthetics, and luck play in research. Some of our most important discoveries were made not because of superior scientific method and objective detachment, but because the investigators were passionately interested in their topics and pursued hunches that appeared unreasonable to fellow scientists.

Nimitti Gyanash को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दीजिए

आदर्शतः वैज्ञानिक उन सामान्य कानूनों से निष्कर्ष निकालते हैं जिनके बारे में वे जानते हैं कि वे सत्य हैं। उदाहरण के रूप में, यदि हम जानते हैं कि स्थूल वस्तुएं एक दूसरे को (गुरुत्वाकर्षण के कारण) आकर्षित करती हैं, तब इसके अनुसार वृक्ष से छूटने पर सेव जमीन पर गिरेगा। सामान्य से विशिष्ट की इस तार्किकता को निगमनात्मक तर्कना के रूप में जाना जाता है। तथापि बहुधा हम प्राकृतिक प्रणालियों का मार्गदर्शन करने वाले सामान्य कानूनों को नहीं जानते हैं। उदाहरण के रूप में, हम देखते हैं कि जैसे-जैसे वर्ष बीतता है, पक्षी आते हैं और विलुप्त हो जाते हैं। विभिन्न स्थानों पर बार बार के अनेक प्रेक्षणों से हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि पक्षी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर आगमन करते हैं। हम एक सामान्य नियम विकसित कर सकते हैं कि पक्षी मौसम के अनुसार प्रवसन करते हैं। अनेक प्रेक्षणों से सामान्य नियम बनाने की तर्कना आगमनात्मक तर्कना होती है। यद्यपि आगमनात्मक तर्कना की अपेक्षा निगमनात्मक तर्कना तार्किक रूप में अधिक विश्वस्त है, यह तभी कारगर होता है जब हमारे सामान्य कानून सही हों। दुनिया को समझने के लिए हम बहुधा आगमनात्मक तर्कना पर निर्भर करते हैं क्योंकि हमारे पास थोड़े से अविकारी नियम हैं।

कभी-कभी तर्कना के साथ ही, अंतर्दृष्टि हमें उत्तर तक ले जाती है। अनेक व्यक्ति शोध में अंतर्दृष्टि, सृजनात्मकता, सौन्दर्यशास्त्र और भाग्य की भूमिका को स्वीकार करने में रिफल रहते हैं। हमारी सर्वोधिक महत्वपूर्ण खोजों में से कुछ खोजें श्रेष्ठ वैज्ञानिक विधियों और वस्तुनिष्ठ तटस्थिता के कारण नहीं हुई अपितु इस कारण ही कि जाचकर्ता अपने विषयों में भावपूर्ण रूचि लेकर उन संकेतों का अनुसरण कर रहे थे जो उनके सहयोगी वैज्ञानिकों का असंगत लग रहे थे।

Given below are two statements: One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion-A: We often rely on inductive reasoning in our day-to-day life.

Reason-R: Inductive reasoning is more sound logically as compared to deductive reasoning.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A.
2. Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A.
3. A is correct but R is not correct.
4. A is not correct but R is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : दैनंदिन जीवन में हम बहुधा आगमनात्मक तर्कना पर निर्भर करते हैं।

कारण R : निगमनात्मक तर्कना की तुलना में आगमनात्मक तर्कना तार्किक रूप से अधिक विश्वस्त होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए।

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है।
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

2[Option ID=19694]  
3[Option ID=19695]  
4[Option ID=19696]

Sl. No.150

QBID:9201050

Read the following passage and answer the question:

Ideally, scientists deduce conclusions from general laws that they know to be true. For example, if we know that massive objects attract each other (because of gravity), then it follows that an apple will fall to the ground when it releases from the tree. This logical reasoning from general to specific is known as deductive reasoning. Often, however, we do not know general laws that guide natural systems. We observe, for example, that birds appear and disappear as a year goes by. Through many repeated observations in different places, we can infer that the birds move from place to place. We can develop a general rule that birds migrate seasonally. Reasoning from many observations to produce a general rule is inductive reasoning. Although deductive reasoning is more logically sound than inductive reasoning, it only works when our general laws are correct. We often rely on inductive reasoning to understand the world because we have few immutable laws.

Sometimes it is insight, as much reasoning, that leads us to an answer. Many people fail to recognize the role that insight, creativity, aesthetics, and luck play in research. Some of our most important discoveries were made not because of superior scientific method and objective detachment, but because the investigators were passionately interested in their topics and pursued hunches that appeared unreasonable to fellow scientists.

निम्न गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दीजिए

**आदर्शतः** वैज्ञानिक उन सामान्य कानूनों से निष्कर्ष निकालते हैं जिनके बारे में वे जानते हैं कि वे सत्य हैं। उदाहरण के रूप में, यदि हम जानते हैं कि स्थूल वस्तुएँ एक दूसरे को (गुरुत्वाकर्षण के कारण) आकर्षित करती हैं, तब इसके अनुसार वृक्ष से छूटने पर सेव जमीन पर गिरेगा। सामान्य से विशिष्ट की इस तार्किकता को निगमनात्मक तर्कना के रूप में जाना जाता है। तथापि बहुधा हम प्राकृतिक प्रणालियों का मार्गदर्शन करने वाले सामान्य कानूनों को नहीं जानते हैं। उदाहरण के रूप में, हम देखते हैं कि जैसे-जैसे वर्ष बीतता है, पक्षी आते हैं और विलुप्त हो जाते हैं। विभिन्न स्थानों पर बार बार के अनेक प्रेक्षणों से हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि पक्षी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर आवागमन करते हैं। हम एक सामान्य नियम विकसित कर सकते हैं कि पक्षी मौसम के अनुसार प्रवसन करते हैं। अनेक प्रेक्षणों से सामान्य नियम बनाने की तर्कना आगमनात्मक तर्कना होती है। यद्यपि आगमनात्मक तर्कना की अपेक्षा निगमनात्मक तर्कना तार्किक रूप में अधिक विश्वस्त है, यह तभी कारगर होता है जब हमारे सामान्य कानून सही हों। दुनिया को समझने के लिए हम बहुधा आगमनात्मक तर्कना पर निर्भर करते हैं क्योंकि हमारे पास थोड़े से अविकारी नियम हैं।

कभी-कभी तर्कना के साथ ही, अंतर्दृष्टि हमें उत्तर तक ले जाती है। अनेक व्यक्ति शोध में अंतर्दृष्टि, सृजनात्मकता, सौन्दर्यशास्त्र और भाग्य की भूमिका को स्वीकार करने में विफल रहते हैं। हमारी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खोजों में से कुछ खोजें श्रेष्ठ वैज्ञानिक विधियों और वस्तुनिष्ठ तटस्थिता के कारण नहीं हुई अपितु इस कारण हुई कि जाचकर्ता अपने विषयों में भावपूर्ण रूचि लेकर उन संकेतों का अनुसरण कर रहे थे जो उनके सहयोगी वैज्ञानिकों को असंगत लग रहे थे।

According to the passage, some of the scientists were able to make important discoveries primarily because of their :

- A. Passionate interest in the subject
- B. Superior scientific method
- C. Objective detachment.

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A only
- 2. B and C only
- 3. A and B only
- 4. A, B and C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

गद्यांश के अनुसार कठिपय वैज्ञानिक प्राथमिक रूप में निम्नलिखित में से किन-किन के कारण महत्वपूर्ण खोजें कर पाए थे ?

- A. उनकी विषय में भावपूर्ण रूचि
- B. उनकी श्रेष्ठ वैज्ञानिक विधि
- C. उनकी वस्तुगत तटस्थिता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A
- 2. केवल B और C
- 3. केवल A और B
- 4. A, B और C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=19697]

2[Option ID=19698]

3[Option ID=19699]

4[Option ID=19700]